RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 81 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 14-10-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 नशे की दुनिया की ओर बढ़ रही युवा पीढ़ी को रोकना आवश्यक

6 चिंता का कारण भारत में बढ़ते सड़क हादसे

7 'टॉक्सिकः अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' से लीक हुआ यश का लुक

फर्स्ट टेक

आपसी मुद्दों को संवाद व परामर्श के जरिए सुलझाएं पाकिस्तान और अफगानिस्तान : चीन

बीजिंग/भाषा। चीन ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर हुई झड़पों में दर्जनों सैनिकों की मौत के बाद सोमवार को दोनों देशों से संयम बरतने और आपसी मुद्दों को संवाद व परामर्श के जरिए सुलझाने की अपील की। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने सप्ताहांत में दोनों देशों के बीच हुए संघर्ष पर टिप्पणी करते हुए संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हाल में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच संघर्ष के कारण दोनों के रिश्ते तनावपूर्ण होने पर चीन गहरी चिंता व्यक्त करता है। उन्होंने कहा, चीन गंभीरता से उम्मीद करता है कि दोनों पक्ष व्यापक दृष्टिकोण अपनाएं, शांति और संयम बरतें, आपसी मुद्दों को संवाद व परामर्श के जरिए सुलझाएं, संघर्ष को बढ़ने से रोकें और क्षेत्र में शांति व स्थिरता बनाए रखें।

अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार जोएल मोकिर, फिलिप अघियन और पीटर होविट को

स्टॉकहोम/भाषा। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने सोमवार को साल 2025 के लिए अर्थशास्त्र का नोबेल सम्मान जोएल मोकिर,फिलिप अघियन और पीटर होविट को देने की घोषणा की। अकादमी ने इन अर्थशास्त्रियों के नामों की घोषणा करते हुए कहा श्री मोकिर ने हमें यह बताया कि कैसे नवाचार प्रगति के लिए प्रेरणा प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि प्रौद्योगिकी तेज़ी से आगे बढ़ती है और हम सभी को प्रभावित करती है। नए उत्पाद और उत्पादन विधियाँ पुराने उत्पादों और उत्पादन विधियों का स्थान ले लेती हैं। इस प्रकार निरंतर आर्थिक विकास चलता रहता है।

धर्मस्थला मामले में चिन्नैया की पत्नी और बहन से हुई पूछताछ

मंगलुरु (कर्नाटक)/भाषा। विशेष जांच दल (एसआईटी) ने धर्मस्थला में सामूहिक तौर पर शवों को दफनाने के मामले में गवाह व शिकायतकर्ता चिन्नैया की पत्नी और उसकी बहन से सोमवार को पूछताछ की। चिन्नैया की पत्नी मल्लिका और उनकी बहन रत्ना, बेल्थांगडी स्थित एसआईटी कार्यालय में जांचकर्ताओं के समक्ष पेश हुईं। अधिकारियों ने चिन्नैया के वित्तीय लेन-देन और मामले से जुड़े प्रमुख व्यक्तियों के साथ उनकी बातचीत के बारे में विवरण मांगा। सूत्रों के अनुसार एसआईटी 'सौजन्य आंदोलन' के कार्यकर्ताओं के इस दावे की भी जांच कर रही है कि मल्लिका अपने पति के साथ कार्यकर्ता महेश शेट्टी थिमारोडी के आवास पर गई थी।

मोदी ने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- मोदी ने अधिक मूल्य वाली फसलें उगाने, आय बढ़ाने के लिए समूह खेती पर जोर दिया

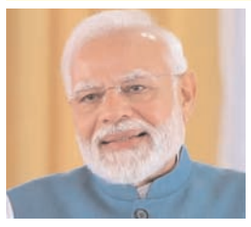

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समूह खेती की वकालत करते हुए सुझाव दिया है कि छोटे और सीमांत किसानों को अपनी आय बढ़ाने के लिए अधिक मूल्य वाली फसलें उगाने और छोटे खेतों को मिलकर बड़ी जोत तैयार करने पर विचार करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) में आयोजित एक कार्यक्रम में किसानों के साथ बातचीत की।

किसानों के साथ यह संवाद 35,440 करोड़ रुपए के परिव्यय वाली कृषि क्षेत्र की दो प्रमुख योजनाओं का शुभारंभ करने से पहले हुआ। इस मौके पर मोदी ने 24,000 करोड़ रुपए की प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना और 11,440 करोड़ रुपए के दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ किया। संवाद के दौरान प्रधानमंत्री ने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का आग्रह किया।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उन्होंने एक चरणबद्ध नजरिया अपनाने का सुझाव दिया। इसके तहत भूमि के एक हिस्से पर प्राकृतिक खेती का परीक्षण करना और बाकी पर पारंपरिक तरीकों को जारी रखना शामिल है।

विभिन्न राज्यों के कई किसानों ने प्रधानमंत्री के साथ अपने अनुभव साझा किए। मध्य प्रदेश के जबलपुर के एक युवा उद्यमी ने अपनी एरोपोनिक आधारित आलू बीज खेती का प्रदर्शन किया, जिसमें आलू बिना मिट्टी के ऊर्ध्वाधर संरचनाओं में उगाए जाते हैं। बयान के मुताबिक, इसे देखकर मोदी ने मजाकिया अंदाज में इसे 'जैन आलू' कहा, क्योंकि ऐसी उपज जैन धर्म को मानने वालों के आहार नियमों के अनुरूप हो सकती है, जो जमीन के नीचे उगने वाली सब्जियों से परहेज करते हैं। हरियाणा के हिसार जिले के एक किसान ने बताया कि उन्होंने चार साल पहले काबुली चना उगाना शुरू किया था और अब तक प्रति एकड़ लगभग 10 क्विंटल उपज प्राप्त कर चुके हैं।

मोदी ने फसल को बदलकर खेती करने के बारे में पूछा, खासकर यह कि क्या इससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में मदद मिलती है और क्या दलहनी फसलों को कृषि प्रणाली में शामिल करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

नए आपराधिक न्याय कानून लागू करना 21वीं सदी का सबसे बड़ा सुधार : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन को 21वीं सदी का सबसे बड़ा सुधार बताते हुए सोमवार को कहा कि इससे लोगों को समय पर, सुलभ तरीके से और सरलता से न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि तीन नए कानून लागू होने के बाद राजस्थान में सजा दिलाने की दर 42 फीसदी से बढ़कर 60 फीसदी हो गई है और इनके पूरी तरह से लागू होने के बाद यह दर 90 फीसदी तक पहुंच जाएगी।

शाह ने तीन नए आपराधिक कानूनों पर राज्यस्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में शाह ने कहा कि तीन नए कानूनों के संपूर्ण कार्यान्वयन के बाद देश की आपराधिक न्याय प्रणाली पूरी दुनिया में सबसे आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली बन जाएगी। शाह ने कहा, मैं विश्वास के साथ कह रहा हूं कि इक्कीसवीं शताब्दी का सबसे बड़ा 'रिफॉर्म' हमारे तीन आपराधिक न्याय कानूनों को आगे लागू करना है। इसके संपूर्ण क्रियान्वयन के बाद हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली पूरी दुनिया में सबसे आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली बन जाएगी, इसका मुझे पूरा विश्वास है।

पुरानी व्यवस्था के तहत न्याय में होने वाली देरी पर शाह ने कहा कि कुछ मामले बिना सजा के 25 से 30-30 साल तक चलते रहते थे। उन्होंने कहा, लोगों को समय पर न्याय नहीं मिलता था। अब इससे मुक्ति मिल जाएगी।

शाह ने नए कानूनों के तहत प्रक्रियाओं की समयसीमा तय किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा, जब हमने समयसीमाएं तय कीं तब सबके मन में संशय था कि क्या ऐसा हो पायेगा? लेकिन सिर्फ एक साल हुआ है, देश में पचास प्रतिशत से ज्यादा चार्जशीट (आरोप पत्र) समय पर होने लगे हैं। उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है एक और साल में ये नब्बे प्रतिशत तक पहुंच जायेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि राजस्थान में सजा कराने की दर 42 प्रतिशत थी, जो इन कानूनों के अमल में आने के एक ही साल में बढ़कर 60 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन कानूनों पर पूर्ण अमल होने के बाद यह दर 60 प्रतिशत से बढ़कर 90 प्रतिशत तक हो जाएगी।

गृह मंत्री ने यह भी बताया कि भारत सरकार ने नई प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए लाखों पुलिसकर्मियों, हजारों न्यायिक अधिकारियों और फोरेंसिक प्रयोगशालाओं व जेल कर्मचारियों का प्रशिक्षण पूरा कर लिया है।

शाह ने कहा कि इन सुधारों से अदालत में प्रत्यक्ष रूप से पेश होने की जरूरत कम हो जाएगी। उन्होंने कहा, आरोपियों को जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया जाएगा, जबकि पुलिस अधिकारी, बैंक कर्मचारी, डॉक्टर और फोरेंसिक विशेषज्ञ भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हो सकेंगे। इससे समय और पैसे दोनों की बचत होगी।

भारतीय रेलवे का हो रहा है कायाकल्प : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वलसाड (गुजरात)/भाषा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा कि भारतीय रेलवे पांच दशक से अधिक समय तक उपेक्षित रही, लेकिन अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के दौरान इसमें आमूलचूल परिवर्तन हो रहा है।

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के 41वें स्थापना दिवस के अवसर पर गुजरात के वलसाड में एक सभा को संबोधित करते हुए रेल मंत्री ने यह घोषणा भी की कि आरपीएफ कर्मियों की भर्ती अब हर साल की जाएगी। इससे पहले हर चार से पांच वर्षों में आरपीएफ कर्मियों की भर्ती होती थी।

वैष्णव ने अपने संबोधन में कहा, 50-60 वर्षों तक देश में रेलवे उपेक्षित रहा। आज रेलवे आमूलचूल परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। पिछले 11 वर्षों में लगभग 35,000 किलोमीटर पटरियां बिछाई गई हैं। यह रेलवे के इतिहास में अभूतपूर्व है। परिणामस्वरूप, आज अधिक ट्रेन चल रही हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 1,300 स्टेशन का पुनर्विकास किया जा रहा है। इनमें से 110 स्टेशन का कार्य पूरा होने के बाद उद्घाटन किया जा चुका है, जबकि शेष स्टेशन पर कार्य प्रगति पर है।

मंत्री ने कहा, लगभग 60,000 किलोमीटर पटरियों का विद्युतीकरण किया जा चुका है। जब दुनिया भर के लोग रेलवे की इन विशाल उपलब्धियों को देखते हैं, तो वे चकित रह जाते हैं, क्योंकि समृद्ध देश भी इतने कम समय में इतना विद्युतीकरण हासिल नहीं कर पाए हैं।

आरपीएफ के आधुनिकीकरण पर वैष्णव ने कहा कि आरपीएफ महानिदेशक के हालिया अनुरोध के अनुसार सभी अधिकारियों और फील्ड कर्मचारियों को जल्द ही वीएचएफ (वेरी हाई फ्रीक्वेंसी) वॉकी-टॉकी सेट मिलेंगे।

मंत्री ने कहा, कुछ दिन पहले ही, आरपीएफ महानिदेशक ने अनुरोध किया था कि बल के सभी अधिकारियों और फील्ड कर्मियों के पास वीएचएफ सेट होने चाहिए।

आईआरसीटीसी मामले में

लालू, राबड़ी और तेजस्वी के खिलाफ आरोप तय

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को कथित आईआरसीटीसी घोटाला मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद, बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और उनके बेटे व राज्य में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ आरोप तय किए। इसके साथ ही बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले उनके खिलाफ मुकदमे की तैयारी शुरू हो गई है। बिहार में विधानसभा चुनाव दो चरणों में छह और 11 नवंबर को होंगे। लालू प्रसाद नीत राष्ट्रीय जनता दल (राजद) राज्य के प्रमुख राजनीतिक दलों में से एक है। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ ''प्रथम दृष्टया'' मामला बनता है और भूमि हस्तांतरण के संबंध में गंभीर संदेह है। पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी तथा पूर्व उपमुख्यमंत्री और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने न्यायाधीश द्वारा आरोप पढ़े जाने के बाद खुद को ''निर्दोष'' बताया ।

कफ सिरप मामला:

तमिलनाडु सरकार ने दवा कंपनी का लाइसेंस रद्द किया, कंपनी बंद की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु स्थित श्रीसन फार्मास्युटिकल कंपनी का विनिर्माण लाइसेंस पूरी तरह से रद्द कर दिया गया है, जिसने मिलावटी कफ सिरप कोल्ड्रिफ का कथित तौर पर उत्पादन किया था। कंपनी को अब बंद करने का आदेश भी जारी किया जा चुका है। राज्य सरकार ने सोमवार को यह जानकारी दी।

राज्य औषधि नियंत्रण विभाग के अधिकारियों ने एक निरीक्षण के दौरान पाया कि कफ सिरप में 48.6 प्रतिशत डायएथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) नामक एक पदार्थ मौजूद था, जो कि एक जहरीला पदार्थ है। यह दवा मध्य प्रदेश में बच्चों की मौत से कथित तौर पर जुड़ी है।

अधिकारियों ने यह भी पाया कि कंपनी में उचित अच्छी विनिर्माण प्रथाओं (जीएमपी) और अच्छी प्रयोगशाला प्रथाओं (जीएलपी) का अभाव था और उन्होंने 300 से अधिक गंभीर और बड़े उल्लंघन दर्ज किए। कंपनी के मालिक जी. रंगनाथन को हाल ही में मध्य प्रदेश के एक विशेष जांच दल ने गिरफ्तार किया था। इससे पहले दिन में, प्रवर्तन निदेशालय की एक टीम ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के एक मामले में श्रीसन फार्मास्युटिकल्स और उसके कुछ अधिकारियों के परिसरों पर छापेमारी की थी।

हमास ने सभी जीवित बंधकों को रिहा किया

इज़राइल ने गाजा समझौते के तहत कैदियों को रिहा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दीर अल बला/एपी। हमास ने सोमवार को युद्धविराम के तहत सभी 20 जीवित बंधकों को रिहा कर दिया। इस युद्धविराम ने गाजा पट्टी में दो साल से चल रहे युद्ध को रोक दिया है, जिसमें हज़ारों फलस्तीन मारे गए। इस समझौते के तहत, इजराइल ने 1,900 से ज़्यादा फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया है

बंधकों की यह रिहाई ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इजराइल और हमास के बीच अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम एवं बंधक समझौते का जश्न मनाने के लिए इज़राइल में हैं। उन्होंने घोषणा की कि इस समझौते ने युद्ध को प्रभावी रूप से समाप्त कर दिया है और पश्चिम एशिया में स्थायी शांति स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त किया है।

इस समझौते के तहत, इज़राइल ने 1,900 से ज़्यादा फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया है और अकालग्रस्त गाजा में खाद्य और सहायता सामग्री की आपूर्ति बढ़ाने की अनुमति दी है।

ट्रंप सोमवार को बाद में मिस्र में अन्य नेताओं के साथ अमेरिका द्वारा प्रस्तावित समझौते और युद्धोत्तर योजनाओं पर चर्चा करेंगे।

ईरान ने अस्वीकार किया

ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसने अपने हितों और अमेरिका की 'एकतरफा नीति' के आधार पर मिस्र में शर्म अल-शेख शिखर सम्मेलन में भाग लेने के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया है। मंत्रालय के प्रवक्ता, इस्माइल बघाई ने संवाददाताओं को बताया कि यह निर्णय मंत्रालय के अंदर और देश में अन्य निर्णय लेने वाली संस्थाओं के साथ चर्चा के बाद लिया गया है।

प्रवक्ता ने कहा, किसी भी निर्णय के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं, जिसमें भागीदारी और भागीदारी से परहेज़ भी शामिल है, की गणना की गई और अंततः एक ऐसे निर्णय पर पहुंचा गया, जो देश की बेहतरी और हितों को सुरक्षित रखता है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि उन्हें बहुत राहत मिली है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने कहा कि उन्हें इस बात से 'बेहद राहत'

हम ट्रंप के शांति प्रयासों का समर्थन करते हैं : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को गाजा पट्टी में इजराइल के सभी 20 जीवित बंधकों की रिहाई का स्वागत किया और कहा कि भारत क्षेत्र में शांति लाने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईमानदार प्रयासों का समर्थन करता है। ट्रंप की गाजा शांति योजना के पहले चरण के तहत हमास ने दो साल से अधिक समय पहले बंधक बनाए गए इजराइली बंधकों को सोमवार को रिहा कर दिया। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हम दो साल से अधिक समय तक बंधक बनाकर रखे गए सभी बंधकों की रिहाई का स्वागत करते हैं। उन्होंने लिखा, उनकी रिहाई उनके परिवारों के साहस, राष्ट्रपति ट्रंप के अथक शांति प्रयासों और प्रधानमंत्री नेतन्याहू के मजबूत संकल्प के प्रति सम्मान है।

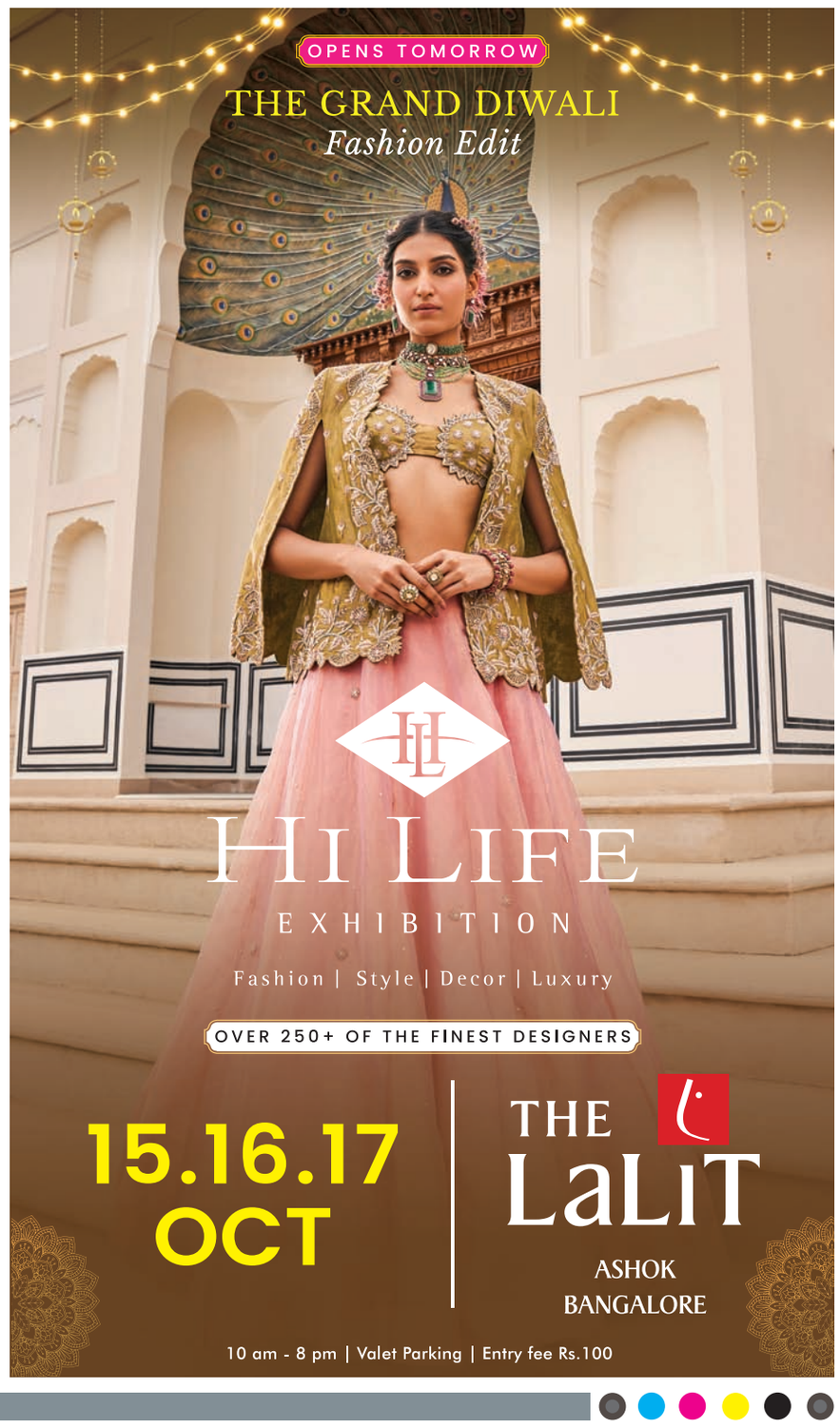

14-10-2025 सूर्यास्त 6:01 बजे | 15-10-2025 सूर्योदय 6:10 बजे

BSE	NSE
82,327.05	25,227.35
(-173.77)	(-58.00)

सोना	चांदी
12,783 रु.	167,199 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

स्थायी प्रतिबंध

जो तोड़े लोक मर्यादा,
झुकाए तंत्र के भी स्कंध।
खुली आँखे नहीं जिनकी,
बने हैं स्वार्थों में अंध।
जो बोले शब्द तेजाबी,
है जिनकी सोच में दुर्गंध।
ऐसों पर चुनावों में लगे,
बस स्थायी ही प्रतिबंध।।

बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता और उचित डिजाइन पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता और उचित डिजाइन पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा, क्योंकि सरकार चाहती है कि परियोजनाओं का पारदर्शी, समयबद्ध, भ्रष्टाचार मुक्त और परिणामोन्मुखी क्रियान्वयन हो।

इंदिरा गांधी चौक और राजीव गांधी चौक को जोड़ने वाले 436 करोड़ रुपए की लागत वाले एलिवेटेड कॉरिडोर-कम-ग्रेड सेपरेटर के शिलान्यास समारोह में गडकरी ने कहा कि यह परियोजना पुडुचेरी के विकास को काफी बढ़ावा देगी। इंदिरा गांधी चौक से राजीव गांधी चौक की दूरी 3.88 किलोमीटर है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश भर में तीव्र एवं व्यापक बुनियादी ढांचे के विकास को सुनिश्चित करने के इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि उनके मंत्रालय ने पुडुचेरी में सड़कों, पुलों और अन्य सुविधाओं पर 25,000 करोड़ रुपए खर्च करने की योजना बनाई है। नटेसन नगर और मारापालम के बीच तथा पुडुचेरी-कुड्डालोर मार्ग पर अरियानकुप्पम और मुलोदाई के बीच फ्लाईओवर के लिए मुख्यमंत्री एन. रंगासामी द्वारा पूर्व में किए गए अनुरोध का उल्लेख करते हुए गडकरी ने प्रस्तावों को मंजूरी दे दी और प्रदेश सरकार से विस्तृत योजना प्रस्तुत करने को कहा। प्रस्तावित मार्ग 16.5 किलोमीटर का होगा और इसकी अनुमानित लागत 650 करोड़ रुपए होगी।

गडकरी ने कहा कि राजग सरकार बुनियादी ढांचे के विकास के साथ-साथ पर्यावरण की सुरक्षा के लिए नई प्रौद्योगिकियों को अपना रही है। उन्होंने कहा, यदि गुणवत्ता या डिजाइन में कोई कमी पाई गई तो हम संबंधित ठेकेदार और अधिकारियों को बर्खास्त कर देंगे।

ईपीएफओ से अब 100%तक की निकासी कर सकेंगे सदस्य, न्यासी मंडल ने दी मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सोमवार को अपने सात करोड़ से अधिक सदस्यों को आंशिक निकासी के नियमों में बड़ी छूट देते हुए पात्र राशि के 100 प्रतिशत तक की निकासी की मंजूरी दे दी। सेवानिवृत्ति कोष निकाय के केंद्रीय न्यासी मंडल (सीबीटी) की बैठक में यह फैसला किया गया। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने की।

श्रम मंत्रालय ने बयान में कहा कि अब ईपीएफओ के अंशधारक सदस्य भविष्य निधि में कर्मचारी एवं नियोक्ता के हिस्से सहित पात्र शेष राशि का 100 प्रतिशत तक निकाल सकेंगे।

इसके साथ आंशिक निकासी के जटिल 13 प्रावधानों को आसान बनाने हुए अब तीन श्रेणियों में शामिल कर दिया गया है। इनमें आवश्यक जरूरतें (बीमारी, शिक्षा, विवाह), आवासीय जरूरतें और विशेष परिस्थितियां शामिल हैं।

शिक्षा और विवाह के लिए निकासी की सीमा क्रमशः 10 और पांच बार कर दी गई है। विशेष परिस्थितियों में निकासी के लिए अब कारण बताने की भी जरूरत नहीं होगी, जिससे कई दावे अब अस्वीकार नहीं होंगे।

इसके अलावा सभी आंशिक निकासी के लिए न्यूनतम सेवा अवधि को भी अब घटाकर 12 महीने कर दिया गया है।

ईपीएफओ ने यह भी तय किया है कि सदस्यों को अपनी अंशदान राशि का 25 प्रतिशत न्यूनतम शेष राशि के रूप में हमेशा बनाए रखना होगा। इससे सदस्य उच्च वार्षिक ब्याज सहित चक्रवृद्धि लाभ के जरिये अपने लिए बड़े सेवानिवृत्ति कोष का निर्माण कर सकेंगे।

साथ ही, पूर्व निकासी की अवधि भी बढ़ा दी गई है। कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) के परिपक्वता-पूर्व अंतिम निपटान की अवधि को दो महीने से बढ़ाकर 12 महीने और अंतिम पेंशन निकासी अवधि को दो महीने से बढ़ाकर 36 महीने कर दिया गया है।

अपराधियों में हो कानून का भय और जनता में हो सुरक्षा का अहसासः मुख्यमंत्री साय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य के पुलिस अधीक्षकों से कहा कि पुलिस की छवि ऐसी होनी चाहिए, जिससे अपराधियों में कानून का भय और आम नागरिकों में सुरक्षा का अहसास हो। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री साय जिलाधिकारियों व पुलिस अधीक्षकों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में प्रदेश की कानून-व्यवस्था की समग्र स्थिति, मादक पदार्थ नियंत्रण, सड़क सुरक्षा, साइबर अपराधों की रोकथाम और प्रशासनिक समन्वय को सुदृढ़ करने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। साय ने कहा, जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक दोनों की भूमिका समान रूप से महत्वपूर्ण है। जिन जिलों में दोनों के बीच समन्वय मजबूत है, वहां बेहतर परिणाम प्राप्त हुए हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि कानून-व्यवस्था के मामलों में किसी भी प्रकार की ढिलाई को प्रशासनिक उदासीनता माना जाएगा और ऐसे मामलों में कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि सड़कों पर अव्यवस्था फैलाने, चाकूबाजी और हत्या जैसे जघन्य अपराधों पर कोई नरमी नहीं बरती जाए। साय ने गौ-तस्करी और धर्मांतरण जैसे संवेदनशील मामलों पर सघन निगरानी रखने और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बसवेश्वरनगर में आयोजित इंडो-नेपाल कल्चरल फेस्टिवल में सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन और माँ दुर्गा सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में स्पर्श हॉस्पिटल, हनुमान ऑप्टिक्स, प्रोक्योर डेंटल और लायन्स इंटरनेशनल के सहयोग से मेगा हेल्थ चेकअप शिविर एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करीब 90 से अधिक लोगों ने नेत्र परीक्षण, ईसीजी, ब्लड शुगर, हिमोग्लोबिन जांच, दंत परीक्षण और अन्य स्वास्थ्य जांच की गई।

चादर महोत्सव में शामिल होने के लिए साध्वियों से किया निवेदन

जैसलमेर में होगा तीन दिवसीय जिनदत्तसूरी चादर महोत्सव

बेंगलूरु। जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ समुदाय के प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्तसूरीश्वरजी के 871 वर्ष पुराने अग्निसंस्कार में नहीं जलने वाले चादर, चोलपट्टा और मुंहपत्ती का तीन दिवसीय चादर महोत्सव आगामी 6 मार्च से जैसलमेर में आयोजित किया जा रहा है। बेंगलूरु दादावाड़ी ट्रस्ट के महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर के इस वृहत् आयोजन में निश्रा प्रदान करने के लिए चादर महोत्सव आयोजन समिति के सदस्य जोधपुर में विराजित साध्वीश्री मणिप्रभाश्रीजी की शिष्याएं वैराग्यनिधिजी और साध्वीश्री हेमप्रभाश्रीजी की शिष्या कल्पाश्रीजी के दर्शनार्थ पहुंचे। कल्पाश्रीजी ने बताया कि चादर महोत्सव प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्तसूरीश्वरजी के प्रति श्रद्धा रखने वाले सभी जैन व अजैन श्रद्धालुओं का संयुक्त आयोजन है। साध्वीश्री वैराग्यनिधिश्रीजी ने कहा कि चादर महोत्सव को हम सभी गुरु भक्तों को उत्सव के रूप में मनाना है। चादर महोत्सव आयोजन समिति के संयोजक तेजराज गुलेच्छा ने कहा कि महोत्सव का उद्देश्य विश्व शांति के लिए प्रयास करना है। आयोजन समिति के सहमंत्री सुरेश लुनिया ने बताया कि देशभर से करीब 30 हजार से अधिक भक्त खरतर गच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी की निश्रा में महोत्सव में भाग लेने की सम्भावना है। चादर समिति के वित्त संयोजक कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि चादर महोत्सव के लिए पूरे देशभर में उत्साह का माहौल है। समिति के ललित डाकलिया ने बताया कि इस आयोजन को लेकर आयोजित बैठक में चादर महोत्सव के संयोजक महेन्द्र भन्साली, जिनदत्त कुशल सूरी खरतरगच्छ पेढ़ी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पदम टाटिया सहित अनेक गुरुभक्त उपस्थित थे।

उत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के स्नेहजीवी गेलेयारा बळगा संघ द्वारा रविवार को गोविंदराजनगर में आयोजित गणेश उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान गणपति के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया।

रेल क्षेत्र में अवसरों का लाभ उठाना चाहती है टाटा ऑटोकॉम्प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाहन कलपुर्जा विनिर्माता कंपनी टाटा ऑटोकॉम्प सिस्टम्स लिमिटेड, भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण से उभर रहे अवसरों का लाभ उठाना चाहती है। कंपनी इसे अपने मुख्य वाहन कलपुर्जा कारोबार के अलावा अपने प्रमुख केंद्रित क्षेत्र के रूप में लेकर चल रही है। कंपनी के वाइस चेयरमैन अरविंद गोयल ने सोमवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने भारतीय बाजार में विश्वस्तरीय उत्पाद और प्रौद्योगिकियां लाने के लिए पहले ही वैश्विक प्रौद्योगिकी दिग्गजों - स्कोडा, कॉम्पिन फेंसा और एयर इंटरनेशनल थर्मल सिस्टम्स के साथ साझेदारी की है।

गोयल ने कहा, भारत का रेल नेटवर्क तेजी से आधुनिकीकरण के दौर में है और बुनियादी ढांचे, यात्रा सुविधा और यात्री आराम में सुधार पर सरकार का ध्यान, इस क्षेत्र में प्रवेश करने का सही समय है। उन्होंने कहा, स्कोडा के साथ हमारे सहयोग के माध्यम से, हमारा लक्ष्य वैश्विक विशेषज्ञता को भारत की विनिर्माण क्षमता के साथ जोड़ना है। वंदे भारत ट्रेनों का उदाहरण देते हुए कि कैसे सरकार उच्च गति, अच्छी गुणवत्ता और आरामदायक ट्रेन प्रदान करने के लिए भारी निवेश कर रही है, उन्होंने कहा, ऑटोमोटिव से परे विविधता लाना, रेलवे क्षेत्र टाटा ऑटोकॉम्प के लिए एक स्वाभाविक विकल्प है।

टाटा ऑटोकॉम्प पहले से ही वंदे भारत ट्रेन के लिए कलपुर्जों की आपूर्ति कर रही है। यह 15-17 अक्टूबर को भारत मंडपम में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय रेलवे उपकरण प्रदर्शनी (आईआरईई) 2025 में अपने प्रणोदन, हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग (एचवीएसी) सिस्टम, सीटिंग और टिकाऊ हल्के रेल समाधानों का प्रदर्शन करेगी। कंपनी ने कहा कि रेलवे क्षेत्र में वैश्विक प्रौद्योगिकी की अगुवा कंपनियों के साथ उसकी साझेदारी उन्नत वैश्विक प्रौद्योगिकियों को स्थानीय बनाने और उन्हें भारत के लिए लागत-प्रतिस्पर्धी बनाने के अपने मिशन के अनुरूप है।

भारतीय बैंक अब नेपाल, श्रीलंका के निवासियों को रुपए में दे सकेंगे कर्जः आरबीआई

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को कहा कि भारत के बैंक और उनकी विदेशी शाखाएं अब भूटान, नेपाल और श्रीलंका में रहने वाले व्यक्तियों और बैंकों को भारतीय रुपए में ऋण मुहैया करा सकती हैं।

आरबीआई ने एक बयान में कहा कि यह कदम विदेशी विनिमय प्रबंधन (उधारी एवं ऋण) विनियम, 2018 और विदेशी मुद्रा खाता प्रबंधन विनियम, 2015 में संशोधनों के तहत उठाया गया है। इसका उद्देश्य 'बाहरी व्यापार और भुगतान को सुगम बनाना' है।

रिजर्व बैंक ने कहा, भारत में अधिकृत डीलर बैंकों और उनकी विदेशी शाखाओं को अब भूटान, नेपाल और श्रीलंका में रहने वाले व्यक्तियों और बैंकों को रुपए में ऋण देने की अनुमति है, ताकि सीमापार व्यापार लेनदेन को सुविधाजनक बनाया जा सके। इसके अलावा जनवरी, 2025 में आरबीआई ने भारतीय निर्यातकों को यह मंजूरी दी थी कि वे विदेशों में किसी बैंक में विदेशी मुद्रा खाते खोलकर अपने निर्यात प्राप्तियों को संग्रहीत कर सकें। इन खातों में अप्रयुक्त शेष राशि को अब तक अगले महीने के अंत तक वापस भेज देना अनिवार्य था। हालांकि, आरबीआई ने अब इस अवधि को बढ़ाकर तीन महीने कर दिया है, यदि विदेशी मुद्रा खाता भारत के आईएफएससी में किसी बैंक में रखा गया हो।

आरबीआई ने एक अक्टूबर, 2025 को अपनी द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा के दौरान इस कदम की घोषणा की थी।

एयर इंडिया के आईओसीसी प्रमुख का पद से इस्तीफा

मुंबई/भाषा। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और एकीकृत परिचालन नियंत्रण केंद्र (आईओसीसी) के प्रमुख चूरा सिंह ने एयरलाइन से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों के मुताबिक, सिंह के पद छोड़ने के बाद एयरलाइन ने विक्रम दयाल को आईओसीसी का नया प्रमुख नियुक्त किया है।

सूत्रों ने बताया कि सिंह ने आयरलैंड में अवसरों की तलाश के लिए इस्तीफा दिया है। उन्हें अक्टूबर, 2023 में आईओसीसी का वरिष्ठ संभागीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया था। हालांकि, इस मामले पर एयर इंडिया की ओर से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। सूत्रों ने कहा कि जून, 2025 में चालक दल की उड़ान ड्यूटी लगाने में कथित अनियमितताओं के चलते सिंह एवं दो अन्य वरिष्ठ अधिकारियों पर नियामकीय कार्रवाई की गई थी।

आईटी पेशेवर की मौत मामले में फर्जी कहानी गढ़ने की कोशिश कर रही है कांग्रेस : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कांग्रेस पर केरल के एक आईटी पेशेवर के कथित आत्महत्या मामले में ''फर्जी कहानी'' गढ़ने और उसे राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया तथा कहा कि विपक्षी दल दलितों का शुभचिंतक नहीं बल्कि एक नया सामंती संगठन है।

भाजपा का यह हमला कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा के उस दावे के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि आईटी पेशेवर ने एक 'सुसाइड नोट' छोड़ा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) के कई सदस्यों ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया। उन्होंने मामले की गहन जांच की मांग की है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरुप्रकाश ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से दलित और वंचित विरोधी रही है। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ...जानबूझकर एक फर्जी कहानी गढ़ी जा रही है। कांग्रेस असंबंधित घटनाओं को जोड़कर राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रही है। देश के इतिहास में कांग्रेस सबसे बड़ी दलित विरोधी पार्टी है। गुरुप्रकाश ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शीर्ष नेता दलितों को हुई विभिन्न घटनाओं पर चुप हैं, जिनमें कर्नाटक में एक नाबालिग के साथ बलात्कार का मामला और पश्चिम बंगाल में आदिवासी नेता एवं भाजपा सांसद खगेन मुर्मू पर हिंसक हमला शामिल है।

'कांग्रेस शासित राज्यों की अनदेखी कर रही केंद्र सरकार, हिमाचल को पर्याप्त मदद नहीं मिली'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को केंद्र सरकार पर आपदा प्रभावित हिमाचल प्रदेश को पर्याप्त मदद नहीं देने का आरोप लगाया और दावा किया कि केंद्र, कांग्रेस शासित राज्यों की ''उपेक्षा'' कर रहा है।

प्रियंका ने यह टिप्पणी छह बार राज्य के मुख्यमंत्री रहे दिवंगत वीरभद्र सिंह की एक प्रतिमा का अनावरण किए जाने के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए की। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान स्थित दौलत सिंह पार्क में वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने कहा, सुखविंदर सुक्खू के मुख्यमंत्री बनने के बाद हिमाचल में भारी बारिश हुई, लेकिन केंद्र सरकार ने कई बार अनुरोध करने के बावजूद कांग्रेस शासित राज्य को पर्याप्त मदद नहीं दी। प्रियंका ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार केवल चुनाव जीतने में रुचि रखती है और उसने कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश के साथ भेदभाव किया है। इस मानसून में जून से सितंबर तक राज्य में बादल फटने की 47, अचानक बाढ़ की 98 और बड़े भूस्खलन की 148 घटनाएं हुईं, जिनमें वर्षाजनित घटनाओं में 270 लोग मारे गए। कुल नुकसान 5,426 करोड़ रुपए आंका गया। राज्य प्राधिकारियों के अनुसार, पिछले दो वर्षों में भी हिमाचल प्रदेश में हजारों करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। दिवंगत नेता वीरभद्र सिंह की प्रतिमा के अनावरण के दौरान प्रियंका ने अपनी मां सोनिया गांधी के साथ मिलकर उन्हें श्रद्धांजलि भी दी। छह फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा हिमाचल प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ वाई एस परमार, महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेताओं की प्रतिमाओं के पास स्थापित की गई है। रैली को संबोधित करते हुए प्रियंका ने कहा, हमें महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और वीरभद्र सिंह जैसे नेताओं की जरूरत है, जो हमेशा ईमानदारी और सच्चाई के मार्ग पर चलते हुए लोगों के विकास के लिए समर्पित रहे।

सरकार ने निजी क्षेत्र के लिए पीएम गति शक्ति पोर्टल खोला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को कहा कि निजी क्षेत्र के लिए पीएम गति शक्ति पोर्टल खोल दिया गया है। इससे उन्हें अंतिम-छोड़ पर डिलिवरी सेवाओं को अनुकूलतम बनाने और बुनियादी ढांचा-आधारित एप्लिकेशन विकसित करने में मदद मिलेगी।

यह एक वेबमंच है जो पीएम गतिशक्ति एनएमपी (राष्ट्रीय मास्टर प्लान) से चयनित गैर-संवेदनशील आंकड़ों तक विनियमित पहुंच प्रदान करता है। इससे निजी इकाइयों, सलाहकारों, शोधकर्ताओं और नागरिकों को बुनियादी ढांचा नियोजन और निवेश निर्णयों के लिए बेहतर विश्लेषण का लाभ उठाने में मदद मिलती है। उल्लेखनीय है कि लॉजिस्टिक लागत को कम करने के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के एकीकृत और नियोजित विकास के लिए अक्टूबर, 2021 में पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान शुरू की गई थी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यूनिफाइड जियोस्पेशियल इंटरफेस के माध्यम से 'पीएम गतिशक्ति पब्लिक' की शुरुआत की। गोयल ने कहा कि इसे भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं भू-सूचना विज्ञान संस्थान (बीआईएसएजी-एन) ने विकसित किया है और यह राष्ट्रीय भू-स्थानिक डेटा रजिस्ट्री (एनजीडीआर) द्वारा संचालित है। यह मंच उपयोगकर्ताओं को भौतिक व सामाजिक अवसंरचना परिसंपत्तियों से जुड़े 230 स्वीकृत आंकड़ों के सेट तक पहुंचने, साइट उपयुक्तता विश्लेषण, कनेक्टिविटी मैपिंग, अनुपालन जांच करने और उपयोगकर्ता-निर्धारित मानदंडों के आधार पर विश्लेषणात्मक रिपोर्ट तैयार करने की सुविधा देता है। उपयोगकर्ता बहु-स्तरीय विभिन्न आंकड़ों को भी देख सकते हैं, जिससे बेहतर परियोजना डिजाइन, अंतर-एजेंसी समन्वय और निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा मिलता है।

नई दिल्ली में सोमवार को केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडियुरप्पा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से औपचारिक मुलाकात कर उन्हें दीपावली की अग्रिम शुभकामनाएं दी।

आरएसएस एक 'गुप्त संगठन' है, इसे धन कहां से मिलता है : प्रियंक खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने सोमवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) दुनिया का सबसे ''गुप्त संगठन'' है, जिसने खुद को पंजीकृत नहीं कराया है, लेकिन फिर भी उसे सैकड़ों करोड़ रुपये का धन मिलता है। खरगे ने हाल ही में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को पत्र लिखकर पूरे राज्य के सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक परिसरों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की सभी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी और कहा था कि इस तरह की गतिविधियां भारत की एकता और संविधान की भावना के विपरीत हैं।

मंत्री ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''यह दुनिया का सबसे गोपनीय संगठन है। इतनी गोपनीयता क्यों। ये लोग कौन हैं। आरएसएस प्रमुख के संबोधन का सीधा प्रसारण क्यों होना चाहिए? उनका योगदान क्या है? वे मुझे अपने 100 साल के इतिहास में अपने दस योगदान बताएं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा आरएसएस की 'कठपुतली' है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे एवं राज्य के मंत्री प्रियंक खरगे ने कहा, ''अगर आप आरएसएस को हटा दें, तो भाजपा नहीं रहेगी। आरएसएस के बिना यह शून्य है। धर्म के बिना आरएसएस शून्य है।'' खरगे ने कहा कि वह हिंदुओं या हिंदू धर्म के खिलाफ नहीं हैं और उनका विरोध केवल आरएसएस और उसकी विचारधारा से है। उन्होंने दावा किया, ''मैं आरएसएस के खिलाफ हूं। इसकी विचारधारा में समानता नहीं है, यह हमारे संविधान को स्वीकार नहीं करती और मनुस्मृति पर जोर देती है।''

उन्होंने सवाल किया कि आरएसएस को लाठी लेकर मार्च करने की अनुमति क्यों है। मंत्री ने कहा, ''उन्हें लाठी लेकर मार्च करने की अनुमति क्यों है? क्या वे विशेष हैं? अगर वे एक एनजीओ हैं, तो मुझे उसकी पंजीकृत प्रति दिखाएं। उन्हें कैसे वित्त पोषण मिलता है? उनके वित्तपोषण की क्या व्यवस्था है? वे 300 करोड़ रुपये से 400 करोड़ रुपये कैसे कमा रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया था, लेकिन संघ नेताओं के यह वादा करने के बाद कि वे सरकार की नीति का पालन करेंगे, पटेल ने इसे वापस ले लिया था।

खरगे ने आरएसएस के राष्ट्रवाद पर भी सवाल उठाते हुए कहा, जिस संगठन ने कई दशकों तक तिरंगा नहीं फहराया और भारतीय संविधान को मानने से इनकार किया, उसे देशभक्त कैसे कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि अगर वे अपने संगठन को एनजीओ के रूप में पंजीकृत करने से इनकार कर रहे हैं, तो वे देशभक्त कैसे हैं? उन्होंने यह भी सवाल किया कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को इतनी सुरक्षा की आवश्यकता क्यों है।

इससे पहले, चार अक्टूबर को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को लिखे एक पत्र में, खरगे ने आरोप लगाया था कि आरएसएस सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के साथ-साथ सार्वजनिक स्थानों पर भी अपनी शाखाएं चला रहा है, जहां नारे लगाए जाते हैं और बच्चों व युवाओं के मन में नकारात्मक विचार भरे जाते हैं। खरगे ने कहा कि आरएसएस की मान्यताएं भारत की एकता और धर्मनिरपेक्ष ढांचे के आदर्शों के विपरीत हैं।

मंत्री ने लिखा, जब लोगों में नफरत फैलाने वाली विभाजनकारी ताकतें अपना सिर उठाती हैं, तो हमारा संविधान, जो अखंडता, समानता और एकता के मूल सिद्धांतों पर आधारित है, हमें ऐसे तत्वों पर अंकुश लगाने और राष्ट्र के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को बनाए रखने का अधिकार देता है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस की अनुमति लिये बिना, लाठी-डंडे लेकर आक्रामक प्रदर्शन किए जा रहे हैं, जिसका, उन्होंने दावा किया, बच्चों और युवाओं पर हानिकारक मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ सकता है।

कर्नाटक में बसें केवल महिलाओं के लिए होकर रह गई हैं, पुरुषों के लिए जगह नहीं है : आरवी देशपांडे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कारवार। कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री आर.वी. देशपांडे ने रविवार को कहा कि अगर वह मुख्यमंत्री होते, तो राज्य सरकार की पांच गारंटियों को लागू नहीं करते। उत्तर कन्नड़ जिले के दांडेली में एक कार्यक्रम में हलियाल के विधायक देशपांडे ने इन योजनाओं पर चिंता व्यक्त की और दावा किया कि बसें अब केवल महिलाओं के लिए रह गई हैं, जिनमें पुरुषों के लिए बहुत कम जगह बची है।

देशपांडे ने दावा किया, सिद्दरामय्या सरकार ने पांच गारंटी दीं। महिलाओं को हर महीने 2,000 रुपये दिए गए जो उनके लिए लॉटरी की तरह है। पुरुषों की स्थिति बदतर हो गई है। अगर पुरुष ज्यादा बोलेंगे, तो उन्हें सजा मिलेगी। उन्होंने महिलाओं को 2,000 रुपये देने से संबंधित गृह लक्ष्मी योजना और मुफ्त बिजली से जुड़ी गृह ज्योति योजना का भी उल्लेख किया। आठ बार के विधायक देशपांडे ने कहा, भगवान जाने सिद्दरामय्या को किसने सलाह दी। अगर मैं मुख्यमंत्री होता, तो इसे लागू नहीं करता।

कर्नाटक की महिलाओं को गैर-लक्जरी सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा देने से संबंधित शक्ति योजना के बारे में 78 वर्षीय नेता ने कहा, बसें, हे भगवान! महिलाएं धारवाड़, बेलगावी, कलबुर्गी और येल्लम्मा मंदिर के लिए रवाना हो जाती हैं। महिलाएं हर जगह हैं।

अगर कोई पुरुष गलती से बस में चढ़ जाता है, तो उसे मुश्किल होती है। ये पूरी तरह से महिलाओं की बसें बन गई हैं। ये सिद्दरामय्या के कार्यक्रम हैं। उन्होंने मुफ्त चावल देने संबंधी अन्न भाग्य योजना के बारे में भी बात की और कहा, मुफ्त चावल हर माह पांच किलो प्रति व्यक्ति से बढ़ाकर 10 किलो प्रति व्यक्ति कर दिया गया है। महिलाएं इसे लेकर आनंद उठाती हैं।

देशपांडे ने कहा कि मुख्यमंत्री इंदिरा किट बांटने की योजना बना रहे हैं, जिसमें अरहर दाल, सूखा नारियल और खाना पकाने का तेल शामिल होगा। उन्होंने कहा, हमें भी नहीं पता कि वह और क्या देने वाले हैं। मुझे नहीं पता कि सिद्दरामय्या क्या जादू कर रहे हैं। मैं समझ नहीं पा रहा। सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने 20 मई, 2023 को पांच चुनाव-पूर्व गारंटियों को लागू करने की घोषणा की। इनमें गृह ज्योति योजना शामिल है, जिसके तहत प्रति परिवार 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी जाती है, और गृह लक्ष्मी योजना के तहत परिवार की प्रत्येक महिला मुखिया को 2,000 रुपये दिए जाते हैं।

अन्न भाग्य योजना के तहत बीपीएल परिवार के प्रत्येक सदस्य को प्रति माह 10 किलो चावल दिया जाता है, जबकि युवा निधि के तहत 18-25 वर्ष की आयु के बेरोजगार स्नातकों को दो साल के लिए 3,000 रुपये और बेरोजगार डिप्लोमा धारकों को 1,500 रुपये दिए जाते हैं। शक्ति योजना के तहत कर्नाटक की महिलाओं को सरकारी गैर-लक्जरी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा दी जाती है।

राज्य सरकार ने मौजूदा वित्त वर्ष में इन योजनाओं के लिए 51,034 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। विपक्षी भाजपा और जनता दल (एस) के अलावा सत्तारूढ़ कांग्रेस के कुछ विधायकों ने भी चिंता व्यक्त की है कि इन गारंटियों के कारण राज्य में विकास कार्य ठप हो गया है।

मुख्यमंत्री ने आरएसएस की गतिविधियों से जुड़ी तमिलनाडु की नीति पर गौर करने का निर्देश दिया

बागलकोट। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को कहा कि उन्होंने राज्य के मुख्य सचिव को सरकारी परिसरों में आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने के तमिलनाडु के फैसले पर गौर करने का निर्देश दिया है। राज्य सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने एक दिन पहले सिद्दरामय्या को पत्र लिखकर पूरे कर्नाटक में सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक परिसरों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया था। खरगे ने दावा किया था कि ऐसी गतिविधियां भारत की एकता और संविधान के खिलाफ हैं। सिद्दरामय्या ने एक सवाल के जवाब में यहां संवाददाताओं से कहा, प्रियांक खरगे ने एक पत्र लिखा है। उन्होंने कहा है कि आरएसएस सरकारी परिसरों का इस्तेमाल कर रहा है और (उसे रोकने के लिए) वही किया जाए, जो तमिलनाडु सरकार ने किया है। मैंने मुख्य सचिव से तमिलनाडु के फैसले पर गौर करने के लिए कहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियांक ने चार अक्टूबर को मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में आरोप लगाया कि आरएसएस सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के साथ-साथ सार्वजनिक स्थानों पर भी अपनी शाखाएं चला रहा है, जहां नारे लगाए जाते हैं और बच्चों तथा युवाओं के मन में नकारात्मक विचार भरे जाते हैं।

सिद्दरामय्या ने रात्रिभोज बैठक में मंत्रिमंडल फेरबदल की चर्चा से इनकार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/बागलकोट। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को उन अटकलों को खारिज कर दिया कि उनके मंत्रिमंडल सहयोगियों के लिए निर्धारित रात्रिभोज बैठक का प्रस्तावित मंत्रिमंडल फेरबदल से कोई संबंध है। राज्य में कांग्रेस सरकार के पांच वर्ष कार्यकाल के इस साल नवबर में ढाई साल पूरे होने के मद्देनजर संभावित नेतृत्व परिवर्तन और मंत्रिमंडल फेरबदल को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच यह बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिसे कुछ लोग नवंबर क्रांति करार दे रहे हैं। सिद्दरामय्या ने रात्रिभोज के बारे में प्रश्न किए जाने पर बागलकोट में संवाददाताओं से कहा, मैं अक्सर रात्रिभोज का आयोजन करता हूं। कुछ समय से ऐसा आयोजन संभव नहीं हो पाया था, इसलिए इस बार आयोजित कर रहा हूं। जब उनसे पूछा गया कि क्या यह विशेष रात्रिभोज है, तो उन्होंने कहा, रात्रिभोज में कुछ भी खास नहीं है। यह सामान्य रात्रिभोज है। यह आपको (मीडिया) और विपक्ष को खास लग सकता है, बस इतना ही है। भोजन भी सामान्य रहेगा। मंत्रिमंडल विस्तार या फेरबदल के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा, इस रात्रिभोज का उससे कोई संबंध नहीं है। फेरबदल का रात्रिभोज से कोई लेना-देना नहीं है।

इससे पहले उन्होंने बेंगलूरु में संवाददाताओं से कहा, ''क्या इस तरह की बैठक अपराध है? क्या हमें नहीं मिलना चाहिए? मैं समझ नहीं पा रहा हूं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बात सुनकर आपने (मीडिया ने) हमारे रात्रिभोज को अपराध करार दिया है। हम तो अक्सर मिलते रहते हैं।''

पार्टी सूत्रों के अनुसार, सिद्दरामय्या और उनके समर्थक मंत्रिमंडल में फेरबदल के पक्ष में हैं। सूत्रों ने बताया कि अगर मुख्यमंत्री सरकार के ढाई साल पूरे होने के मौके पर मंत्रिमंडल में कोई बदलाव करते हैं, तो इसे एक संदेश के रूप में देखा जाएगा कि सत्ता की कमान उनके (मुख्यमंत्री) हाथ में है और आगे भी वही बने रहेंगे। इसे उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के लिए झटका माना जा सकता है, जिनके बारे में कहा जाता है कि वे मुख्यमंत्री पद का दावा करने की प्रतीक्षा में हैं। शिवकुमार ने शनिवार को राज्य में मंत्रिमंडल फेरबदल को लेकर जारी अटकलों को मीडिया के बीच फैली ''अफवाह'' करार देते हुए इसे खारिज कर दिया था। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, इस रात्रिभोज में आगामी तालुक, जिला परिषद और नगरीय निकाय चुनावों की तैयारियों पर चर्चा होने की संभावना है।

विश्व गठिया दिवस पर आयोजित 'डेयर रन' में शामिल हुए बेंगलूरुवासी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कनकपुरा रोड स्थित डीएचईई हॉस्पिटल्स ने विश्व गठिया दिवस पर डेयर रन 2025 का आयोजन किया, जिसमें गठिया के बारे में जागरूकता फैलाने और रोकथाम, शीघ्र निदान और सक्रिय जीवन जीने के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए सभी क्षेत्रों के 5,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में 5 किमी और 10 किमी दौड़ के साथ-साथ 5 किमी की मनोरंजक पैदल यात्रा, दौड़ भी शामिल थी। दौड़ को बेंगलूरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर डीएचईई हॉस्पिटल्स के सीईओ और वरिष्ठ जोड़ प्रतिस्थापन सर्जन डॉ. चंद्रशेखर चिकमुनियप्पा, रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर 3191 के रोटेरियन श्रीधर बीआर, रोटरी बेंगलूरु ऑचर्ड्स के डॉ. आरएमएस सुधाकर और बेंगलूरु ऑर्थोपेडिक सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. सुबोध शेट्टी आदि उपस्थित थे। यह दौड़ कोननकुंटे क्रॉस मेट्रो स्टेशन से शुरू हुई और डीएचईई हॉस्पिटल्स मल्टी स्पेशियलिटी केयर, कनकपुरा रोड पर समाप्त हुई।

न्यायालय ने कर्नाटक में मतदाता सूची में कथित हेराफेरी की एसआईटी जांच की याचिका खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को बेंगलूरु सेंट्रल और अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता सूची में हेराफेरी के आरोपों की जांच के लिए एक पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में एसआईटी जांच कराए जाने की मांग वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा कि वह अपनी याचिका निर्वाचन आयोग के समक्ष प्रस्तुत करें। पीठ ने आदेश दिया, ''हमने याचिकाकर्ता के वकील का पक्ष सुना है और हम इस याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं, जो कथित तौर पर जनहित में दायर की गई है। याचिकाकर्ता निर्वाचन आयोग के समक्ष अपनी याचिका प्रस्तुत कर सकते हैं।'' याचिकाकर्ता के वकील रोहित पांडे ने कहा कि उन्होंने आयोग के समक्ष अपना अभ्यावेदन पहले ही प्रस्तुत कर दिया है, लेकिन इसे स्वीकार नहीं किया गया है। याचिकाकर्ता ने आयोग द्वारा याचिका पर निर्णय लेने के लिए एक समय सीमा निर्धारित करने की मांग की, जिसे पीठ ने अस्वीकार कर दिया। पीठ ने पांडे से उचित कानूनी उपाय अपनाने को कहा। याचिका में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा आयोजित एक प्रेस वार्ता का हवाला दिया गया है, जिसमें उन्होंने भाजपा और निर्वाचन आयोग के बीच मिलीभगत से चुनावों में बड़े पैमाने पर ''आपराधिक धोखाधड़ी'' होने का दावा किया था और इसे 'वोट चोरी' करार दिया था। राहुल ने कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूचियों के विश्लेषण का हवाला दिया था और कहा था कि वोट चोरी हमारे लोकतंत्र पर एटम बम की तरह है।' याचिका में न्यायालय से यह निर्देश देने की भी मांग की गई थी कि अदालत के निर्देशों का पालन होने और मतदाता सूचियों का स्वतंत्र ऑडिट पूरा होने तक मतदाता सूचियों में कोई और संशोधन या अंतिम रूप देने का काम न किया जाए। गत सात अगस्त को गांधी की प्रेस वार्ता के तुरंत बाद, कर्नाटक और महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष से उन मतदाताओं के नाम साझा करने को कहा, जिनके बारे में उन्होंने दावा किया था कि वे मतदाता सूची में गलत' हैं, साथ ही एक हस्ताक्षरित घोषणापत्र भी मांगा ताकि निर्वाचन अधिकारी इस मामले में 'आवश्यक कार्यवाही' शुरू कर सकें। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने 17 अगस्त को कहा कि गांधी को मतदाता सूची में अनियमितताओं के अपने आरोपों पर सात दिन के भीतर शपथपत्र देना चाहिए था।

सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा से उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेते हुए भाजपा और जनता दल एस के के वरिष्ठ नेतागण।

देवेगौड़ा की हालत स्थिर, अस्पताल से मिली छुट्टी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा की हालत चिकित्सकीय रूप से ''स्थिर'' है और उन्हें सोमवार को छुट्टी दे दी गई। उनका इलाज कर रहे अस्पताल ने यह जानकारी दी। जनता दल (एस) प्रमुख 92 वर्षीय देवेगौड़ा को छह अक्टूबर को बुखार और मूत्रमार्ग में संक्रमण की जांच के लिए पिछले सप्ताह बेंगलूरु स्थित मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

मणिपाल अस्पताल के अधिकारियों ने कहा, हमारे माननीय पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा की हालत चिकित्सकीय रूप से स्थिर है और उन्हें अब छुट्टी दी जा रही है। बाद में, सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में देवेगौड़ा ने कहा कि वह जल्द ही अपने आधिकारिक कामकाजों को फिर से शुरू करेंगे।

उन्होंने कहा, कुछ दिन अस्पताल में रहने के बाद मैं घर लौट आया। ईश्वर की कृपा से मेरा स्वास्थ्य स्थिर हो गया है। मैं उन चिकित्सकों का आभारी हूं जिन्होंने मेरा इलाज किया। मैं उन सभी का धन्यवाद देता हूं जिन्होंने मेरे अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की और उन मित्रों और नेताओं का भी जो मुझसे मिलने अस्पताल आए। मैं जल्द ही अपने सार्वजनिक कर्तव्यों का निर्वहन फिर से शुरू करूंगा। अस्पताल में रहने के दौरान विशेषज्ञों की एक टीम ने देवेगौड़ा की देखभाल की। शुरुआत में गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में इलाज के बाद उन्हें एक नियमित वार्ड में निगरानी में रखा गया।

दो युवकों की हत्या

विजयपुरा। कर्नाटक के विजयपुरा तालुक के कन्नूर गांव में दो युवकों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वारदात के पीछे पुरानी रंजिश होने की आशंका है। मृतकों की पहचान सागर बेलुंदगी (25) और इसहाक कुरैशी (24) के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह घटना रविवार को हुई, जिसके बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि सागर और इसहाक ने दो वर्ष पूर्व तम्मूर गांव के ईरनगौड़ा नामक एक व्यक्ति पर हमला किया था, जिसकी कुछ दिनों के इलाज के बाद मौत हो गई थी।

मप्र के निवेशकों से छह करोड़ रुपये की ठगी, कर्नाटक से सलाहकार फर्म संचालक गिरफ्तार

बेंगलूरु/इंदौर। मध्यप्रदेश पुलिस ने निवेशकों से करीब छह करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में सोमवार को कर्नाटक की एक निवेश सलाहकार फर्म के संचालक को गिरफ्तार किया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इंदौर की अपराध निरोधक शाखा के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया ने बताया कि स्थानीय निवेशकों की शिकायत पर बेंगलूरु से पकड़े गए आरोपी की पहचान गुलाम मोइनुद्दीन (40) के रूप में हुई है।

उन्होंने बताया कि बी.ए. तक पढ़ा-लिखा आरोपी कर्नाटक का रहने वाला है और वहीं से एक निवेश सलाहकार फर्म संचालित कर रहा था। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ने बताया कि मोइनुद्दीन के खिलाफ इंदौर के पांच निवेशकों को शेयर बाजार में पूंजी लगाने से मोटे फायदे का झांसा देकर उनसे कुल मिलाकर करीब छह करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप है।

उन्होंने शिकायतों के हवाले से बताया,निवेशकों से कहा गया था कि ''शेयर बाजार में पूंजी लगाने से उनकी रकम तीन से चार महीने में दोगुनी हो जाएगी।''

केनरा रोबेको एएमसी के आईपीओ को 9.74 गुना अभिदान मिला

नई दिल्ली। केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सोमवार को बोली के अंतिम दिन 9.74 गुना अभिदान प्राप्त हुआ। एनएसई के पास उपलब्ध विवरण के अनुसार, 1,326 करोड़ रुपये के आईपीओ को 3,48,98,051 शेयरों की पेशकश के मुकाबले 33,99,83,168 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। निवेशकों में, पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के हिस्से को 25.92 गुना अभिदान मिला। गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए निर्धारित कोटा को 6.45 गुना और खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (आरआईआई) की श्रेणी को 1.91 गुना अभिदान मिला।

केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने बुधवार को एंकर निवेशकों से 398 करोड़ रुपये जुटाए हैं। परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का मूल्य दायरा 253 रुपये से 266 रुपये प्रति शेयर है, जिससे ऊपरी स्तर पर इसका मूल्यांकन लगभग 5,300 करोड़ रुपये हो जाता है।

नए आपराधिक न्याय कानूनों को लागू करना 21वीं सदी का सबसे बड़ा सुधार : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन को 21वीं सदी का सबसे बड़ा सुधार (रिफॉर्म) बताते हुए सोमवार को कहा कि इससे लोगों को समय पर, सुलभ तरीके से और सरलता से न्याय मिलेगा। यहां नए कानूनों पर आधारित एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद शाह ने कहा कि इनके संपूर्ण कार्यान्वयन के बाद देश की आपराधिक न्याय प्रणाली पूरी दुनिया में सबसे आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली बन जाएगी।

शाह ने कहा, मैं विश्वास के साथ कह रहा हूं कि इक्कीसवीं शताब्दी का सबसे बड़ा 'रिफॉर्म' हमारे तीन आपराधिक न्याय कानूनों को आगे लागू करना है। इसके संपूर्ण क्रियान्वयन के बाद हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली पूरी दुनिया में सबसे आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली बन जाएगी, इसका मुझे पूरा विश्वास है। पुरानी व्यवस्था के तहत न्याय में होने वाली देरी पर शाह ने कहा कि कुछ मामले बिना सजा के 25 से 30-30 साल तक चलते रहते थे। उन्होंने कहा, लोगों को समय पर न्याय नहीं मिलता था। अब इससे मुक्ति मिल जाएगी।

नए कानूनों के तहत प्रकियाओं को समयबद्ध किए जाने का उल्लेख करते हुए, शाह ने कहा कि जब हमने समयसीमाएं तय कीं तब सबके मन में संशय था कि क्या ऐसा हो पायेगा? लेकिन सिर्फ एक साल हुआ है, देश में पचास प्रतिशत से ज्यादा आरोप पत्र समय पर होने लगे हैं। उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है एक और साल में ये नब्बे प्रतिशत तक पहुंच जायेंगे। गृह मंत्री ने यह भी बताया कि भारत सरकार ने नयी प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए लाखों पुलिसकर्मियों, हजारों न्यायिक अधिकारियों और फोरेंसिक प्रयोगशालाओं व जेल कर्मचारियों का प्रशिक्षण पूरा कर लिया है।

शाह ने कहा कि इन सुधारों से अदालत में प्रत्यक्ष रूप से पेश होने की जरूरत कम हो जाएगी। उन्होंने कहा, आरोपियों को जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया जाएगा, जबकि पुलिस अधिकारी, बैंक कर्मचारी, डॉक्टर और फोरेंसिक विशेषज्ञ भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हो सकेंगे। इससे समय और पैसे दोनों की बचत होगी। उन्होंने कहा कि इससे विचाराधीन कैदियों के पुलिस हिरासत से भागने की संभावना भी कम हो जाएगी। शाह ने कहा कि देश में लागू तीन नए आपराधिक कानून लोगों को समय पर, सुलभ तरीके से और सरलता से न्याय देने का काम करेंगे। उन्होंने कहा, पूरे देश में किसी के भी साथ अन्याय होता है तो वो अदालत में जाना पसंद नहीं करता। हमारी न्यायिक व्यवस्था की छवि न्याय समय पर ना मिले, ऐसी बनी है। मैं विश्वास के साथ बताने आया हूं आपराधिक न्याय प्रणाली के तीन कानून आपको समय पर, सुलभ तरीके से, सरलता से न्याय देने का काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'ईज ऑफ लिविंग' के लिए ढेर सारे परिवर्तन किए लेकिन इन कानूनों के अमल के साथ 'ईज ऑफ जस्टिस' के लिए भी बहुत बड़ा परिवर्तन होगा। उन्होंने कहा, इन कानूनों के माध्यम से हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली दंड की जगह न्याय से प्रेरित होकर काम करेगी। शाह ने कहा कि पूरे देश में इसका सटीक क्रियान्वयन हो चुका है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के माध्यम से सभी राज्यों को सहायता करने के लिए मार्गदर्शन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि तीन नए कानून - भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) - तीन साल की व्यापक प्रक्रिया के बाद तैयार किए गए थे। नए कानून पिछले साल एक जुलाई को देश भर में लागू किए गए थे।

प्रमुख प्रावधानों पर प्रकाश डालते हुए शाह ने कहा कि नए कानून 'ई-एफआईआर' और 'जीरो एफआईआर' जैसी प्रणालियां पेश करते हैं, जिसका उद्देश्य शिकायत दर्ज करने के शुरुआती चरणों को सरल बनाना है। उन्होंने कहा, राजस्थान में पहले दोषसिद्धि दर 42 प्रतिशत थी। इन कानूनों के लागू होने के बाद यह बढ़कर 60 प्रतिशत हो गई है। मेरा मानना है कि कार्यान्वयन पूरा होने के बाद यह बढ़कर 90 प्रतिशत हो जाएगी।

उन्होंने कहा, अब प्रक्रियाएं समयबद्ध होंगी, जिससे जल्द सुनवाई और त्वरित न्याय सुनिश्चित होगा। कार्यक्रम में राज्य की विभिन्न विकास परियोजनाओं का डिजिटल माध्यम से भूमिपूजन भी हुआ। शाह ने कहा कि 'राइजिंग राजस्थान' कार्यक्रम के दौरान कुल 35 लाख करोड़ रुपये के करार हुए थे जिनमें से चार लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं का कार्यान्वयन हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार जो कहती है, उसे पूरा करती है।

इससे पहले शाह ने जेईसीसी सीतापुरा में नए आपराधिक कानूनों पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन कर अवलोकन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राजस्थान उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव कुमार शर्मा उपस्थित रहे। प्रदर्शनी में 'लाइव डेमो' के माध्यम से आगंतुकों को नए कानूनों की जानकारी दी गई है। शाह ने एफएसएल के 56 वाहनों और महिला सुरक्षा पेट्रोलिंग के लिए 100 स्कूटी एवं मोटरसाइकिल को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह प्रदर्शनी देश की आपराधिक न्याय प्रणाली में दंडात्मक दृष्टिकोण से न्याय और पारदर्शिता पर केंद्रित दृष्टिकोण में बदलाव को दर्शाती है। देश में एक जुलाई 2024 से लागू हुए भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इस छह दिवसीय राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी 13 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक चलेगी। शाह ने सुझाव दिया कि राज्य सरकार प्रदर्शनी के दिनों को बढ़ाए ताकि अधिक से अधिक लोग इसे देख सकें।

शाह ने जयपुर में नए आपराधिक कानूनों पर प्रदर्शनी देखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को यहां सोमवार को नए आपराधिक कानूनों पर आधारित प्रदर्शनी में इन कानूनों के तहत अपराध जांच और अभियोजन की एक प्रस्तुति दिखाई गई। यह प्रदर्शनी जयपुर प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केंद्र (जेईसीसी) में शुरू हुई जो देश की आपराधिक न्याय प्रणाली में दंडात्मक दृष्टिकोण से न्याय और पारदर्शिता पर केंद्रित दृष्टिकोण में बदलाव को दर्शाती है। गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और अन्य लोगों ने पुलिसकर्मियों द्वारा अपराध स्थल से लेकर पुलिस स्टेशन और अदालत तक की कार्रवाई पर प्रस्तुति को देखा। पुलिसकर्मियों ने दिखाया कि कैसे नए कानूनों ने बदलाव लाए हैं, जांच में लगने वाले समय को कम किया है।। नए कानूनों में पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण का भी प्रदर्शन किया गया।

उल्लेखनीय है कि देश में 1 जुलाई 2024 से लागू हुए भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जेईसीसी, सीतापुरा में छह दिवसीय राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी 13 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक चलेगी।

भूखंडों का कब्जा वापस लेने के लिए 15 साल तक भटकने के बाद बुजुर्ग को मिली राहत, प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के जयपुर जिले के एक इलाके में पिछले 15 साल से अपने दो आवासीय भूखंडों का कब्जा वापस लेने के लिए दर-दर की ठोकरे खा रहे एक बुजुर्ग को आखिरकार अदालत से राहत मिल गयी। अदालत के आदेश के बाद पुलिस ने डेवलपर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस के मुताबिक, यहां झोटवाड़ा इलाके में रहने वाले सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी ओम प्रकाश शर्मा ने पुलिस से मदद न मिलने पर अदालत का दरवाजा खटखटाया था। शर्मा के वकील चेतन शर्मा ने बताया, अदालत ने पुलिस को प्राथमिकी दर्ज कर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

पुलिस उपयुक्त (पश्चिम) हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि बुधवार को भांकरोटा थाने में धोखाधड़ी, आपराधिक धमकी और साजिश के लिए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया कि 80 वर्षीय शर्मा ने 2009 और 2010 के बीच नारायण विहार में 'नारायण ग्रुप' के ज्ञानचंद अग्रवाल और उनके सहयोगियों से दो आवासीय भूखंड खरीदे थे।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि पूरी रकम चुकाने और आवंटन पत्र मिलने के बावजूद उन्हें भूखंडों का कब्जा नहीं दिया गया। पुलिस के मुताबिक, इस साल मई में आरोपियों ने शर्मा को बताया कि ये भूखंड पहले ही किसी अन्य खरीदार को बेच दिए गए थे। प्राथमिकी में यह भी बताया गया कि डेवलपर के सहयोगियों ने बुजुर्ग व्यक्ति को धमकी दी थी कि अगर उन्होंने इस मामले को आगे बढ़ाया तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। अधिकारी ने बताया, शिकायतकर्ता के मुताबिक डेवलपर ने न तो उन्हें भूखंडों का कब्जा दिया और न ही रुपये वापस किए। संबंधित थानाधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं और जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि डेवलपर कुख्यात अपराधी है और उसके खिलाफ धोखाधड़ी की लगभग 300 प्राथमिकी दर्ज हैं। मीणा के अनुसार, आरोपियों और उसके अन्य सहयोगियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई भी लंबित है। पीड़ित के दामाद गोपाल खांडल ने कहा, हमें जान से मारने और मामले आगे न बढ़ाने की धमकियां दी गयीं, जिसके बाद हमने सुरक्षा और न्याय के लिए अदालत का रुख किया। खांडल ने कहा कि शर्मा ने अपनी जिंदगी भर की जमा-पूंजी भूखंड पर खर्च कर दी और 15 साल से न्याय का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इस उम्र में भी वह अपने हक के लिए लड़ रहे हैं।

शाह ने 9,300 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया

जयपुर। अमित शाह ने सोमवार को यहां 9,300 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया। शाह, नये आपराधिक कानूनों पर राज्य स्तरीय प्रदर्शनी 'नव विधान-न्याय की नई पहचान' के उद्घाटन के लिए जयपुर पहुंचे थे। शाह ने इस अवसर पर 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' 2024 के तहत प्राप्त निवेश प्रस्तावों में से चार लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों से जुड़ी परियोजनाओं की शुरुआत की। उन्होंने राज्य के लगभग 40 लाख विद्यार्थियों को गणवेश के लिए 240 करोड़ रुपये एवं दुग्ध उत्पादकों को दूध सब्सिडी के 364 करोड़ रुपये की राशि का ऑनलाइन अंतरण किया।

भारत की सरहदों की रक्षा और देश की अखंडता सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है : संजय शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने सोमवार को कोटपूतली स्थित श्रीमती पानादेवी मोरीजावाला राजकीय कन्या महाविद्यालय परिसर में 'सिंदूर स्मारिका वाटिका' का लोकार्पण किया। स्मारिका पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर को समर्पित है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी हीरालाल रावत, रतनलाल शर्मा, प्राचार्य डॉ. आर.पी. गुर्जर एवं शंकरलाल कसाना उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत स्मारिका पट्टिका के अनावरण, दीप प्रज्वलन एवं सात सिंदूर के पौधों के रोपण से हुई।

मंत्री शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की सरहदों की रक्षा और देश की अखंडता सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले में प्रभावित निर्दोष पर्यटकों को हम श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, माननीय प्रधानमंत्री और सरकार के कुशल नेतृत्व और वीर सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान को सटीक जवाब दिया।

वन मंत्री ने छात्राओं से आग्रह किया कि वे इस वाटिका में लगाए गए सिंदूर के पौधों की देखभाल करें और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान को आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की बजट घोषणा के अनुसार कोटपूतली में बनने वाली लेपर्ड सेंचुरी की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। शीघ्र ही एक बड़ा लेपर्ड कंजर्वेशन एरिया विकसित होने जा रहा है। पर्यटन और वन संरक्षण पर मंत्री शर्मा ने कहा कि राजस्थान में 5 टाइगर रिजर्व और 2 नेशनल पार्क हैं, जिनमें 135 बाघ हैं। पर्यटकों को बेहतर सुविधा देने हेतु अब ऑनलाइन टिकटिंग व्यवस्था सुदृढ़ की गई है। यही प्रयास है कि पर्यटकों को सुरक्षित, स्वच्छ और समृद्ध प्राकृतिक वातावरण मिले।

पर्यावरण मंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से पूरा विश्व जुझ रहा है, उसका एक ही उपाय है कि वृक्षारोपण करें और प्रकृति का संरक्षण करें। इसके साथ ही पॉलीथिन का उपयोग न करें और यह संकल्प लेकर कि पानी की एक-एक बूंद बचाएंगे, वृक्षारोपण करेंगे और पॉलीथिन का उपयोग नहीं करेंगे, आने वाली पीढ़ियों को ये सौगात दें। विशिष्ट अतिथि हीरालाल रावत ने कहा कि 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम हमले में शहीद हुए पर्यटकों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। प्राचार्य डॉ. आर.पी. गुर्जर ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि वाटिका का निर्माण समाजसेवकों और भामाशाहों के सहयोग से करीब 2.5 लाख रुपए की लागत से किया गया है।

विशेष योग्यजन बच्चों का दत्तक ग्रहण ईश्वर की सेवा के समान : भावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत केंद्रीय दत्तक -ग्रहण संसाधन प्राधिकरण की ओर से बाल अधिकारिता विभाग, राजस्थान सरकार के संयुक्त तत्वाधान में सोमवार को जयपुर स्थित राजस्थान संविधान क्लब में ''विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (दिव्यांग बच्चों) के गैर-संस्थागत पूनर्वास'' पर उत्तरी क्षेत्र की क्षेत्रीय परामर्श बैठक का आयोजन किया गया। कार्यशाला में उद्घाटन सत्र में अपने सम्बोधन में केंद्रीय दत्तक -ग्रहण संसाधन प्राधिकरण की सीईओ श्रीमती भावना सक्सैना ने कहा कि विशेष योग्यजन बच्चों का दत्तक ग्रहण ईश्वर की सेवा के समान पुण्य का कार्य है, जो सन्तान विहीन माता-पिता यदि ईश्वर की सच्ची सेवा करना चाहते हैं, वे विशेष योग्यजन बच्चों का दत्तक ग्रहण कर इस पुण्य सेवा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (दिव्यांग बच्चों) की विशिष्ट आवश्यकताओं को समझते हुए उ-ठ- ने पुनर्वास के गैर-संस्थागत रूपों को सुदृढ़ करने के लिए स्वयं को प्रतिबद्ध किया है, जिसमें दत्तक ग्रहण एक केंद्रीय स्तंभ है। लक्ष्यों को उच्चतम स्तर पर प्राप्त करके हमारा सेवा कार्य सार्थक सिद्ध हो सकता है।

उन्होंने कहा कि सामाजिक मानसिकता में बदलाव लाकर इस सेवा में आ रही चुनौतियों को दूर किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि प्राधिकरण , किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 68, बाल विकास, भारत सरकार को देश में दत्तक ग्रहण के लिए नोडल एजेंसी के रूप में उ-ठ- को देश में दत्तक ग्रहण को बढ़ावा देने और सुगम बनाने तथा अंतर-देशीय दत्तक ग्रहण को विनियमित करने का दायित्व सौंपा गया है। यह मुख्य रूप से मान्यता प्राप्त और संबद्ध दत्तक ग्रहण एजेंसियों के अपने नेटवर्क के माध्यम से अनाथ, परित्यक्त और आत्मसमर्पित बच्चों को गोद लेने पर केंद्रित है।

इस अवसर पर बाल अधिकारिता आयुक्त, आशीष मोदी ने कहा कि विशेष योग्यजन बच्चों के दत्तक ग्रहण का कार्य सिम्पैथी के स्थान पर एमपैथी के संग किया जाना ज्यादा प्रभावी एवं आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सिम्पैथी केवल संवेदना है किन्तु एमपैथी वह वास्तविक जरूरत है, जिसे तुलनात्मक रूप से आकलित कर निष्पादन किये जाने से उत्कृष्ट सेवा सम्पादित की जा सकती है। विशेष योग्यजन विभाग, राजस्थान, आयुक्त केसर मीणा ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि राजस्थान राज्य में 2012 में विशेष योग्यजन की समस्याओं के निराकरण के लिए पृथक निदेशालय की स्थापना की गई। उन्होंने विशेष योग्यजनों को दी जा रही भोजन, चिकित्सा एवं अन्य समस्त सुविधाओं का विवरण देते हुए कहा कि राज्य में 110 विशेष विद्यालय, 37 बौद्धिक दिव्यांग गृह राज्य सरकार की ओर से संचालित किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार पूर्ण प्रतिप्रद्धता से विशेष योग्यजन कल्याण के लिए कार्य कर रही है।

केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने किया शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोमवार को शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मुक्ता प्रसाद नगर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मेघवाल ने कहा कि हमारे ऋषि, मुनियों, संतों तथा आध्यात्मिक चेतना के पुरोधाओं ने श्रिरोगी कायाश को पहला सुख बताया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है। केंद्र और राज्य सरकार इसी भावना पर चलते हुए प्रदेश में चिकित्सा के साथ शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि गांव-गांव में और शहरी क्षेत्रों में चिकित्सा और शिक्षा में आमूलचूल सुधार लाने का श्रेय पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को जाता है। उन्होंने सर्व शिक्षा अभियान तथा राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के रूप में दो बड़ी सौगातें देश को दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस संकल्प को लगातार आगे बढ़ा रहे हैं। मेघवाल ने कहा कि शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रारंभ होने से आसपास के क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने यहां पर्याप्त चिकित्सा विशेषज्ञ नियोजित करने के निर्देश दिए तथा कहा कि संसाधनों की किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य ने कहा कि आने वाले समय में सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज और पीबीएम अस्पताल को देश के 10 प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पीबीएम अस्पताल में कैंसर रोगियों के लिए डायमंड लैब की सुविधा शीघ्र ही प्रारंभ होने वाली है। इसके लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाएं मुहैया करवा ली गई हैं। यहां लैब की सुविधा होने से कैंसर रोगियों की आवश्यक जांचों में समय और अनावश्यक व्यय पर अंकुश लगेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि 6 करोड़ रुपए की लागत से बने इस अस्पताल को विधिवत रूप से शुरू कर दिया गया है। यहां वर्तमान में प्रतिदिन की लगभग 100 की ओपीडी है। यहां सुविधाओं की लगातार वृद्धि की जाएगी। कार्यक्रम में बीकानेर टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलगुरु अखिल रंजन गर्ग सहित स्थानीय गणमान्य व्यक्ति व आमजन मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री शेखावत पहुंचे बीकानेर, दिवंगत रामेश्वरलाल डूडी के परिवार से की मुलाकात

बीकानेर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत सोमवार को राजस्थान के बीकानेर जिले पहुंचे। दौरे के दौरान उन्होंने दिवंगत कांग्रेस नेता रामेश्वरलाल डूडी के परिवार से मुलाकात की और उनके प्रति संवेदना व्यक्त की। बीकानेर सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान मंत्री शेखावत ने बीकानेर के इतिहास और वर्तमान राजनीति के विभिन्न पहलुओं पर अपनी राय रखी। केंद्रीय मंत्री ने बीकानेर के महाराजा गंगासिंह जी के योगदान को याद करते हुए कहा कि वे उस मुश्किल दौर के पुरुष थे जब भारत कठिनाइयों से गुजर रहा था। अंग्रेजों की भारत में सत्ता स्थापित होने के बाद भी महाराजा गंगासिंह ने कई ऐसे काम किए जो आज भी याद किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, दूरदृष्टात्मक महाराजाओं ने जो कार्य किए हैं, वे सदियों तक याद रखे जाएंगे और सत्ता में बैठे लोगों के लिए वे एक प्रकाश पुंज का काम करेंगे, उनका मार्गदर्शन करेंगे। लोकतंत्र में जनभावना के महत्व पर बल देते हुए शेखावत ने कहा, जनभावना के विरुद्ध काम हो, ऐसा लोकतंत्र व्यवस्था में संभव नहीं है।

बिहार : पटना में विस्फोटक सामग्री और हथियार बरामद, पांच गिरफ्तार

पटना/भाषा। पटना पुलिस ने आतिशबाजी बनाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, एक देशी पिस्तौल और तीन कारतूस बरामद किए हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस संबंध में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने बताया कि पिछले 40 घंटे के दौरान शहर के पश्चिमी क्षेत्र में चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन जखीरा' के तहत ये बरामदगी और गिरफ्तारियां की गईं।

पटना (पश्चिम) के पुलिस अधीक्षक भानु प्रताप सिंह ने पीटीआई-भाषा को बताया, पुलिस ने बेऊर और आईआईटी अमहारा थाना क्षेत्रों में समन्वित छापेमारी के दौरान एक वाहन, एक देशी पिस्तौल, तीन कारतूस और 392 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री जब्त की है, जो संभवतः आतिशबाजी बनाने के लिए रखी गई थी।

दुर्गापुर सामूहिक बलात्कार मामले पर टीएमसी सांसद बोले, सतर्क रहें महिलाएं, पुलिस हर जगह नहीं हो सकती

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद सौगत रॉय ने दुर्गापुर में एक मेडिकल छात्रा के साथ कथित तौर पर हुई सामूहिक बलात्कार की घटना पर टिप्पणी करते हुए सोमवार को कहा कि पुलिस हर जगह मौजूद नहीं हो सकती, ऐसे में महिलाओं को सावधानी बरतनी चाहिए। इससे एक दिन पहले, इसी मामले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने छात्राओं को देर रात घर से बाहर न निकलने की सलाह दी थी, जिसको लेकर उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा है। कोलकाता में बात करते हुए, वरिष्ठ सांसद रॉय ने दावा किया कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर है। रॉय ने कहा, बंगाल में ऐसे मामले दुर्लभ हैं। बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा किसी भी अन्य जगह से बेहतर है। लेकिन छात्राओं को इतनी देर रात अपने कॉलेज से नहीं निकलना चाहिए, क्योंकि पुलिस हर जगह गश्त नहीं कर सकती। पुलिस हर सड़क पर मौजूद नहीं हो सकती; घटना होने के बाद पुलिस कार्रवाई कर सकती है। इसलिए, महिलाओं को भी सतर्क रहना चाहिए।

मिजोरम में आईएलपी उल्लंघन के आरोप में 36 लोग गिरफ्तार

आइजोल/भाषा। मिजोरम में वैध इनर लाइन परमिट (आईएलपी) नहीं रखने और बंगाल पूर्वी सीमांत विनियमन के प्रावधानों का उल्लंघन करने के आरोप में कम से कम 36 बाहरी लोगों को पकड़ा गया है। इनमें से अधिकतर लोग एक व्यापार प्रदर्शनी में हिस्सा ले रहे थे। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इन गैर जनजातीय लोगों को शुक्रवार को राज्य के शीर्ष छात्र संगठन 'मिजो जिरलाई पावल' (एमजेडपी) और 'मिजोरम मर्चेंट एसोसिएशन' (एमआईएमए) के पहले 'अंतरराष्ट्रीय स्टार एक्सपो' में स्वैच्छिक सत्यापन अभियान के दौरान पकड़ा गया, जिसके बाद उन्हें अधिकारियों को सौंप दिया गया। यह व्यापार प्रदर्शनी आइज़ोल के मध्य में स्थित लामुअल में आयोजित की जा रही है। पकड़े गए व्यक्तियों के पास या तो समाप्त हो चुकी अवधि के आईएलपी थे या उनके पास यात्रा परमिट नहीं था। गैर-राज्य निवासियों, विशेष रूप से गैर-जनजातीय लोगों के पास मिज़ोरम में प्रवेश करने के लिए आईएलपी होना आवश्यक है।

डबल इंजन सरकार में युवा शक्ति बन रही है राष्ट्र शक्ति : मुख्यमंत्री योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि 'डबल इंजन' सरकार (केन्द्र और राज्य) में युवा शक्ति 'राष्ट्र शक्ति' बन रही है।

मुख्यमंत्री योगी, युवक एवं महिला मंगल दलों को प्रोत्साहन खेल सामग्री के वितरण के लिए लखनऊ में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'डबल इंजन' सरकार में युवा शक्ति 'राष्ट्र शक्ति' बन रही है।

योगी ने कहा कि राज्य भर में 1.05 लाख से ज्यादा युवक व महिला मंगल दल सक्रिय हैं और उन्हें जमीनी स्तर पर खेलों व सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए वॉलीबॉल, फुटबॉल, बैडमिंटन रैकेट और अन्य उपकरणों से युक्त खेल किट प्रदान की गई हैं। उन्होंने कहा, खेल व्यक्तियों को स्वस्थ रखते हैं और टीम वर्क की भावना को मजबूत करते हैं। गांव में शुरू होने वाली प्रतियोगिता विधायक और सांसद स्तर के खेल टूर्नामेंट में विकसित हो सकती हैं। मुख्यमंत्री ने खेलो इंडिया, फिट इंडिया और सांसद खेल महोत्सव जैसे आयोजनों की शुरुआत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देते हुए कहा कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा समाज में प्रगति की कुंजी है। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर पर जारी विधायक खेल महोत्सव हजारों युवाओं को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना से अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच प्रदान कर रहा है। योगी ने युवक और महिला मंगल दलों से खेलों से आगे बढ़कर गांवों में सामाजिक, सांस्कृतिक और लोक परंपराओं को बढ़ावा देने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, जैसे हम खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करते हैं, वैसे ही लोकगीतों और प्रदर्शनों के माध्यम से हमारी पुश्तैनी परंपराओं को पुनर्जीवित करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम होने चाहिए। मुख्यमंत्री ने 'मिशन शक्ति' के जारी पांचवें चरण में महिला मंगल दलों की भूमिका पर भी जोर दिया और उनसे ग्राम स्तर पर महिला कल्याण योजनाओं व सशक्तिकरण के बारे में जागरूकता फैलाने का आग्रह किया।

अगस्त में चाय का उत्पादन घटकर 17.01 करोड़ किलोग्राम पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। अगस्त, 2025 के दौरान चाय का उत्पादन घटकर 17 करोड़ 1.2 लाख किलोग्राम रह गया है, जबकि वर्ष 2024 के इसी महीने में यह 18 करोड़ 44.5 लाख किलोग्राम का हुआ था। चाय बोर्ड के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

आंकड़ों के अनुसार, अगस्त, 2025 के दौरान असम में उत्पादन 10 करोड़ 44.6 लाख किलोग्राम की तुलना में मामूली रूप से घटकर 10 करोड़ 35.2 लाख किलोग्राम रह गया। पश्चिम बंगाल में भी उत्पादन घटकर चार करोड़ 59 लाख किलोग्राम रह गया, जबकि वर्ष 2024 के इसी महीने में यह पांच करोड़ 60.8 लाख किलोग्राम का हुआ था। असम और पश्चिम बंगाल को मिलाकर, उत्तर भारत में अगस्त, 2025 के दौरान चाय का उत्पादन घटकर 15 करोड़ 39.9 लाख किलोग्राम रह गया, जबकि वर्ष 2024 के इसी महीने में यह 16 करोड़ 61.5 लाख किलोग्राम का हुआ था। दक्षिण भारत में, अगस्त, 2025 के दौरान कुल उत्पादन घटकर एक करोड़ 61.3 लाख किलोग्राम रह गया, जबकि अगस्त, 2024 में यह एक करोड़ 83 लाख किलोग्राम का हुआ था। आंकड़ों के अनुसार, श्रेणीवार, उत्तर भारत में सीटीसी किस्म का उत्पादन अगस्त में घटकर 13 करोड़ 55.9 लाख किलोग्राम रह गया, जबकि 2024 के इसी महीने में यह 15 करोड़ 7.6 लाख किलोग्राम रहा था। दक्षिण भारत में, सीटीसी चाय का उत्पादन अगस्त में घटकर एक करोड़ 31.3 लाख किग्रा रह गया, जबकि पिछले वर्ष के इसी महीने में यह एक करोड़ 54.1 लाख किलोग्राम रहा था।

भूटान से आने वाले पानी के कारण बाढ़ आयी, उसे पश्चिम बंगाल को मुआवजा देना चाहिए : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को दावा किया कि पड़ोसी देश भूटान से बहकर आने वाले पानी के कारण उत्तर बंगाल में बाढ़ आयी और उन्होंने भूटान से मुआवजे की मांग की।

राहत एवं पुनर्वास कार्यों का निरीक्षण करने के लिए प्राकृतिक आपदा प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर रही मुख्यमंत्री बनर्जी ने जलपाईगुड़ी जिले के नागराकाटा में कहा कि भूटान से विभिन्न नदियों के माध्यम से बहकर आने वाले वर्षा जल के कारण क्षति हुई है। बनर्जी ने एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान अपने संक्षिप्त संबोधन में कहा, भूटान से आने वाले पानी के कारण हमें नुकसान हुआ है... हम चाहते हैं कि वे हमें मुआवजा दें। उन्होंने कहा, मैं पिछले कुछ समय से भारत-भूटान संयुक्त नदी आयोग के गठन पर जोर दे रही हूं और मेरी मांग है कि पश्चिम बंगाल को भी इसका हिस्सा बनाया जाए। हमारे दबाव में इस महीने की 16 तारीख को एक बैठक होनी है और हमारे अधिकारी उसमें शामिल होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र ने राज्य को आपदाओं से निपटने के लिए मिलने वाली आर्थिक सहायता से वंचित रखा है। बनर्जी ने जलपाईगुड़ी जिले के नागराकाटा के बामनडांगा क्षेत्र में कई राहत शिविरों का दौरा किया, जो चार अक्टूबर को हुई भारी बारिश के कारण सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक है।

नशे की दुनिया की ओर बढ़ रही युवा पीढ़ी को रोकना आवश्यक : राज्यपाल

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सोमवार को कहा कि युवा पीढ़ी के नशे की दुनिया की ओर बढ़ते कदम शिक्षण संस्थानों में एक चिंताजनक प्रवृत्ति बनती जा रही है और इसे रोकना आवश्यक है। राज्यपाल पटेल सोमवार को अयोध्या स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने विद्यार्थियों को सचेत करते हुए कहा, वर्तमान में युवा पीढ़ी नशे की दुनिया की ओर बढ़ रही है, जो कि शिक्षण संस्थानों में एक चिंताजनक प्रवृत्ति बनती जा रही है।

आनंदीबेन पटेल ने कहा, विद्यार्थियों को जो नहीं करना चाहिए, वहीं आज किया जा रहा है और इसे रोकना आवश्यक है। पंजाब इसका जीवंत उदाहरण है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि अयोध्या प्रभु श्रीराम की पावन भूमि है इसलिए प्रदेश के सभी युवा इस तरह के अंधकार से स्वयं को दूर रखें। राज्यपाल ने कहा, पढ़ना है तो बहुत अच्छा पढ़ो, खराब आदतें छोड़ दो और अपने माता-पिता व समाज के लिए एक आदर्श के रूप में स्वयं को स्थापित करो। राजभवन से जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, समारोह में कुल 1,89,119 छात्र-छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गई, जिनमें छात्राओं की संख्या उल्लेखनीय रूप से अधिक रही।

जब तक भाजपा सत्ता में है और मेरी उम्र है, लड़ते रहेंगे : तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोला और कहा कि जब तक दंगाई एवं संविधान विरोधी भाजपा सत्ता में है और मेरी उम्र है, उससे लड़ते रहेंगे। उन्होंने यह टिप्पणी भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम होटल भ्रष्टाचार मामले में सीबीआई की अदालत द्वारा पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और उनके (तेजस्वी) व कुछ अन्य के खिलाफ आरोप तय किए जाने के बाद की।

तेजस्वी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, तूफ़ानों से लड़ने में मज़ा ही कुछ और है। हमने संघर्ष पथ चुना है। संघर्ष पथ पर चलते-चलते अच्छे मुसाफ़िर बन निश्चित ही मंज़िल प्राप्त करेंगे। पूर्व उप मुख्यमंत्री ने दावा किया कि एक महीने पहले बिहार आकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने उन्हें धमकी दी थी कि उन्हें चुनाव लड़ने लायक नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा, हम लड़ेंगे और जीतेंगे। हम बिहारी हैं, बिहारी बाहरी से नहीं डरते। जय बिहार, जय बिहारी। तेजस्वी ने पोस्ट में केंद्र सरकार पर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने व विपक्षी आवाज़ों को दबाने का आरोप भी लगाया।

बिहार की जनता भाजपा के धमकियों और दमन की राजनीति का जवाब लोकतांत्रिक तरीके से देगी। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने आईआरसीटीसी मामले में अदालत द्वारा आरोप तय किए जाने पर कहा, जो भ्रष्टाचार करेगा, आरोप तो उसी पर तय होगा. आईआरसीटीसी मामले में पूरा लालू परिवार सम्मिलित है।

पेरिस ओलंपिक पदक विजेताओं को आईओए ने किया सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और निशानेबाज मनु भाकर सहित 2024 पेरिस ओलंपिक में देश के पदक विजेताओं को सोमवार को यहां एक भव्य समारोह में भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा नकद पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

पुरुषों के भाला फेंक में रजत पदक जीतने वाले चोपड़ा व्यक्तिगत रूप से पुरस्कार लेने नहीं आ सके क्योंकि वह इस समय देश से बाहर हैं। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के एक अधिकारी ने उनकी तरफ से खेल मंत्री मनसुख मांडविया से 75 लाख रुपए का चेक प्राप्त किया।

चोपड़ा के तत्कालीन कोच, जर्मनी के क्लाउस बार्टोनिट्ज़ को 20 लाख रुपए से सम्मानित किया गया। बार्टोनिट्ज़ भी इस कार्यक्रम में मौजूद नहीं थे। बार्टोनिट्ज़ हालांकि अब चोपड़ा के साथ नहीं है।

मनु भाकर को पहले व्यक्तिगत 10 मीटर एयर पिस्टल में उनके कांस्य पदक के लिए 50 लाख रुपए मिले और फिर मिश्रित 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में सरबजोत सिंह के साथ तीसरे स्थान पर रहने के लिए उन्होंने 50 लाख रुपए साझा किए।

उनके कोच जसपाल राणा को मनु को व्यक्तिगत 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक दिलाने के लिए 10 लाख रुपए से पुरस्कृत किया गया जबकि उन्होंने मनु और सरबजोत के मिश्रित 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में तीसरे स्थान के लिए अभिषेक राणा (सरबजोत सिंह के कोच) के साथ उन्होंने 15 लाख रुपए साझा किए।

कुश्ती 57 किग्रा फ्रीस्टाइल में कांस्य पदक जीतने वाले पहलवान अमन सहरावत को 50 लाख रुपए से सम्मानित किया गया और उन्होंने अपने कोच अली शबानोव की ओर से 15 लाख रुपए भी प्राप्त किए।

पचास मीटर राइफल थ्री पोजीशन में कांस्य पदक जीतने वाले निशानेबाज स्वप्निल कुसाले को भी 50 लाख रुपए मिले, जबकि उनकी कोच दीपाली देशपांडे को 15 लाख रुपए से सम्मानित किया गया।

भुवनेश्वर स्थित एम्स के प्रयोगशाला सहायक की गोली मार कर हत्या

भुवनेश्वर/भाषा। भुवनेश्वर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भुवनेश्वर के एक प्रयोगशाला सहायक की सोमवार सुबह अस्पताल जाते समय अज्ञात व्यक्तियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान सुधांशु खुंटिया के रूप में हुई है। वह आउटसोर्सिंग के माध्यम से एम्स में प्रयोगशाला सहायक के तौर पर कार्यरत था। पुलिस के अनुसार, खुंटिया अपने मोटरसाइकल पर एम्स भुवनेश्वर जा रहा था। सुबह आठ बजे के आसपास कुछ बदमाशों ने उसका पीछा किया और रणसिंहपुर के पास उस पर गोली चला दी।

लोगों ने उसे एम्स में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी मिलने पर खंडगिरि पुलिस थाने की एक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने संदेह जताया है कि खुंटिया की मौत का कारण पुरानी रंजिश के सकती है। भुवनेश्वर-कटक के पुलिस आयुक्त एस देवदत्त सिंह ने बताया कि खुंटिया के परिवार ने उसके चाचा के परिवार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है और दोनों परिवारों के बीच झड़प में चाचा के परिवार के सदस्य भी घायल हो गए। हमारी टीम मामले की जांच कर रही है और जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मणिपुर में मौजूदा राजनीतिक संकट भाजपा की डबल इंजन सरकार के कारण: कांग्रेस

इंफाल/भाषा। कांग्रेस की मणिपुर इकाई के अध्यक्ष कीशम मेघचंद्र ने सोमवार को आरोप लगाया कि राज्य में मौजूदा राजनीतिक संकट और अशांति भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विभाजनकारी और भ्रष्ट डबल इंजन सरकार का प्रत्यक्ष परिणाम है। उन्होंने मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा की नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) पर राज्य और राष्ट्रीय, दोनों स्तरों पर भाजपा को लगातार समर्थन देने के लिए निशाना साधा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने पिछले सप्ताह आरोप लगाया था कि एनपीपी ने राज्य की स्थिरता को नष्ट करने में प्रमुख भूमिका निभाई है। मेघचंद्र ने दावा किया कि कांग्रेस राजनीतिक अवसरवाद से नहीं, बल्कि सिद्धांतों से प्रेरित है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, मौजूदा राजनीतिक संकट, सामाजिक अशांति और शासन का विफल होना (मणिपुर में) भाजपा के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार के विभाजनकारी, भ्रष्ट और असंवेदनशील शासन का प्रत्यक्ष परिणाम है, जिसे एनपीपी ने केंद्र और राज्य, दोनों में समर्थन देना जारी रखा है।

कलाई का स्पिनर होने के कारण कुलदीप को पिच से ज्यादा मदद मिली: वाशिंगटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में तीन और मैच में आठ विकेट लेने वाले कुलदीप यादव की तारीफ करते हुए भारतीय टीम के उनके साथी वाशिंगटन सुंदर ने कहा कि कलाई का स्पिनर होने के कारण उन्हें पिच से दूसरे गेंदबाजों के मुकाबले ज्यादा मदद मिली।

भारतीय गेंदबाजों को दूसरे और अंतिम टेस्ट में वेस्टइंडीज़ को दूसरी पारी में आउट करने के लिए 118.5 ओवरों की जरूरत पड़ी क्योंकि अरुण जेटली स्टेडियम की पिच बल्लेबाजी के लिए आसान थी।

कुलदीप ने गेंदबाजों के लिए मुश्किल पिच पर दोनों पारियों को मिलाकर 55.5 ओवर में 186 रन देकर आठ विकेट लिए जबकि उनकी, वाशिंगटन और रविंद्र जडेजा की स्पिनरों की तिकड़ी ने इस मैच में कुल 13 विकेट चटकाये। अनुभवी जडेजा ने कुल 52 ओवरों में चार विकेट लिए।

शास्त्री ने रोहित, कोहली के 2027 विश्व कप खेलने पर कहा- फॉर्म, फिटनेस और जज्बा पर निर्भर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी/भाषा। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा की 2027 वनडे वर्ल्ड कप में खेलने की उम्मीदें ' फॉर्म (लय), फिटनेस और जज्बा' पर निर्भर करती हैं और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी शृंखला इन पहलुओं की एक अहम परीक्षा होगी।

भारत के 2017 से 2021 तक कोच रहे 63 साल के शास्त्री ने कहा कि इन दोनों दिग्गजों को अपनी जगह पक्की करने के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मजबूत प्रदर्शन करना होगा। रोहित और कोहली को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे शृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। यह शृंखला 19 अक्टूबर से पर्थ में शुरू होगी।

'क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू के मुताबिक शास्त्री ने 'काया स्पोर्ट्स' के 'समर ऑफ क्रिकेट लॉन्च इवेंट' में कहा, इसीलिए वे यहां हैं (ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे शृंखला खेल रहे हैं)। उन्होंने कहा, वे इस टीम टीम संयोजन का हिस्सा हैं। यह उनकी फिटनेस, जज्बे और जाहिर है फॉर्म पर निर्भर करता है। मुझे लगता है कि उनके प्रदर्शन के

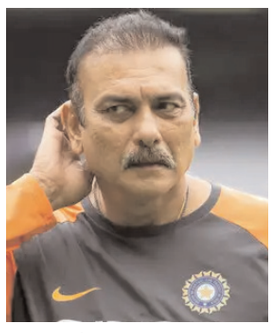

आकलन के लिए यह शृंखला बहुत महत्वपूर्ण है। इस शृंखला के आखिर में उन्हें खुद भी पता चल जाएगा कि वे कैसा महसूस कर रहे हैं और फिर फैसला उनका होगा। रोहित और कोहली अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अब सिर्फ एकदिवसीय प्रारूप में खेलते है। यह देखना बाकी है कि क्या वे भारत की दीर्घकालिक योजनाओं में फिट बैठते हैं, क्योंकि अगला वनडे विश्व कप अभी दो साल दूर है।

उस समय रोहित की उम्र 40 और कोहली की 38 साल हो जाएगी। हाल ही में रोहित की जगह शुभमन गिल को भारत के एकदिवसीय टीम का कप्तान बनाया गया है। रोहित और कोहली फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। भारत इसका विजेता बना था।

रोहित इसके फाइनल में 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने गए थे जबकि कोहली पूरे टूर्नामेंट में भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाते हुए शीर्ष पांच बल्लेबाजों में शामिल थे।

शास्त्री ने कहा, ऑस्ट्रेलिया के नजरिए से देखें तो यही बात स्टीव स्मिथ पर भी लागू होती है, जिन्होंने मार्च में वनडे क्रिकेट से संन्यास लिया। उस उम्र में आपको खेल का आनंद लेना होता है, और साथ ही अब भी आपके अंदर जज्बा होना चाहिए। उन्होंने कहा, लेकिन जब बात बड़े मैचों की आती है, तो अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता। हमने इसे चैंपियंस ट्रॉफी में देखा है। बड़े मैच आते हैं, तो बड़े खिलाड़ी ही आगे आते हैं।

गिल फैसले लेने में हिचकते नहीं है : पार्थिव पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गुजरात टाइटन्स के बल्लेबाजी कोच के तौर पर शुभमन गिल के साथ करीब से काम करने वाले भारत के पूर्व विकेटकीपर पार्थिव पटेल को पूरा यकीन है कि इस युवा को भारतीय नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालने में कोई दिक्कत नहीं होगी क्योंकि वह फैसले लेने में हिचकिचाते नहीं है।

गिल के 'सब को साथ लेकर चलने के स्वभाव से प्रभावित' पटेल फैसला लेने के मामले में उनकी स्पष्टता से प्रभावित है। उन्होंने कहा कि फैसला लेने के मामले में गिल के पास 'शायद' का विकल्प नहीं होता है। इस 40 साल के पूर्व खिलाड़ी 'पीटीआई' को दिए साक्षात्कार में कहा, गौतम (गंभीर) ने अब उनके साथ काफी समय बिताया है। मैंने उनमें (गिल) देखा है कि वह हर तरह की परिस्थितियों के लिए अच्छी तरह तैयारी करते हैं और मैंने एक सत्र में उनके फैसलों में दृढ़ता देखी है और वह जो करना चाहते हैं, उसके बारे में पूरी तरह आश्वस्त होते हैं। उन्होंने कहा, शुभमन के नेतृत्व में या तो 'हां' या 'ना' होता है। उनके पास 'शायद' के लिए कोई जगह नहीं है। एक कप्तान के तौर पर आपको अपने फैसलों को लेकर दृढ़ता रखनी चाहिए और उनमें यह गुण है। इस बात पर हालांकि काफी बहस चल रही है कि क्या गिल को खेल के सभी टेस्ट के बाद वनडे टीम की कमान देने में जल्दबाजी की गई? पटेल ने इसे 'प्रगतिशील फैसला' करार देते हुए इसे भारतीय क्रिकेट के लिए फायदेमंद करार दिया।

आईपीएल में गिल की कप्तानी क्षमता देखने के बाद पटेल को इस इंग्लैंड में टेस्ट टीम के नेतृत्व को लेकर उनकी क्षमता पर कोई संदेह नहीं था। उन्होंने कहा, गिल ने पिछले दो साल से आईपीएल में गुजरात टाइटन्स की कप्तानी करते हुए नेतृत्व कौशल दिखाया है, जिस तरह उन्होंने इंग्लैंड में टेस्ट टीम का नेतृत्व किया, यह (उन्हें आगे बढ़ाना) एक शानदार फैसला है और हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

सुविचार

अच्छा चिकित्सक रोग का उपचार करता है; महान चिकित्सक उस रोगी का इलाज करता है जिसे रोग है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बिहार: राजग में सीट बंटवारे के निहितार्थ

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राजग के घटक दलों के बीच सीटों के बंटवारे के गहरे निहितार्थ हैं। भाजपा और जद (यू) ने जब भी गठबंधन की छतरी के नीचे बिहार चुनाव लड़ा, जद (यू) ने खुद को 'बड़े भाई' की भूमिका में रखा। इस बार दोनों समान संख्या (101-101) में उम्मीदवार उतारेंगे। क्या यह बिहार में भाजपा के बढ़ते आधार को दर्शाता है? जद (यू) सीट बंटवारे में परंपरागत रूप से भाजपा से ज्यादा हिस्सेदारी रखता है। इस बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 'बराबरी' पर सहमत हुए हैं तो इस फैसले को उनकी नेतृत्व क्षमता से जोड़कर देखा जाना स्वाभाविक है। क्या राजग के बहुमत पाने की स्थिति में भाजपा अपने किसी विधायक को मुख्यमंत्री बनाएगी या एक बार फिर नीतीश कुमार ही सरकार की कमान संभालेंगे? पिछले विधानसभा चुनाव में जद (यू) ने 115 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। वहीं, भाजपा को 110 सीटें दी गई थीं। इस बार जद (यू) के हिस्से से 14 सीटों की कटौती की गई है। गठबंधन में सीट बंटवारे के दौरान हर पार्टी चाहती है कि उसका हिस्सा ज्यादा रहे। कई बार आपसी खींचतान में गठबंधन टूट जाते हैं। नीतीश कुमार भी पूर्व में राजग छोड़कर महागठबंधन का हिस्सा रह चुके हैं। इस बार उनके रुख को देखकर माना जा रहा था कि वे राजग में ही रहेंगे, लेकिन विधानसभा चुनाव के लिए सीट आवंटन में जद (यू) का पलड़ा भारी रहेगा। क्या इसकी हिस्सेदारी घटना और मुख्य साझेदार से बराबर के साझेदार की नई भूमिका में आना यह संकेत देता है कि अब बिहार में भाजपा मुख्य पार्टी है?

हालांकि सीटों के बंटवारे को इस तरह भी देखा जा सकता है कि भाजपा अपने गठबंधन में बड़े दल को बराबरी का दर्जा देना चाहती है। इससे 'बड़ा भाई' और 'छोटा भाई' का फर्क दूर होगा। कम से कम विधानसभा चुनाव से पहले तो इसी नजरिए से देखा जा सकता है। बाद में, चुनाव नतीजों से तय होगा कि कौन 'बड़ा भाई' है और कौन 'छोटा भाई' है! चिराग पासवान की लोजपा (आर) को 29 सीटें देने से यह संकेत मिलता है कि राजग दलितों और अल्पसंख्यकों में भी अपनी स्थिति मजबूत करने की पुरजोर कोशिश कर रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी अपने हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के लिए कम से कम 15 सीटें मांग रहे थे और मीडिया में उनके 'असंतुष्ट' होने की भी चर्चा थी। उन्हें 6 सीटें देकर राजग ने गठबंधन प्रबंधन और सामाजिक समीकरणों को साधने की रणनीति अपनाई है। इसे राजद के एमवाई समीकरण के जवाब के तौर पर देखा जा सकता है। इसी तरह उपेंद्र कुशवाहा के आरएलएम को 6 सीटें देकर कुर्मी और कुशवाहा वोटबैंक को मजबूत करने की कोशिश की गई है। इसे राजद की रणनीति की काट समझा जा सकता है। इस बार राजग के सामने महागठबंधन के अलावा प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी की चुनौती है। प्रशांत बेरोजगारी और पलायन का मुद्दा जोर-शोर से उठा रहे हैं। वे लालू और नीतीश के साथ भाजपा पर खूब हमले बोल रहे हैं। उनकी नई-नवेली पार्टी पिछले उपचुनाव में कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन प्रशांत किशोर भाजपा, जद (यू) और राजद की आलोचना करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे। ओवैसी भी लगभग 100 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की घोषणा कर चुके हैं। इस चुनाव के नतीजे चाहे जो हों, लेकिन इतना तय है कि इस बार बड़ी पार्टियों के वोटबैंक में छोटी पार्टियां सेंध लगाने की खूब कोशिश करेंगी। इससे कुछ सीटों पर नतीजे हैरान कर सकते हैं।

ट्वीटर टॉक

मैं आज अशोक गहलोत को कहना चाहता हूं कि ये भाजपा की सरकार है। कांग्रेस की सरकार नहीं है। हम जो कहते हैं, वो करते हैं। मुझे खुशी है कि इतने कम समय में भजनलाल सरकार ने 35 लाख करोड़ में से 7 लाख करोड़ के एमओयू को जमीन पर उतारने का काम किया है।

-अमित शाह

पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाबचंद कटारिया जी को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपका स्नेह सदैव यूं ही बना रहे, आप ऐसे ही हमें प्रेरणा देते हुए राष्ट्रसेवा करते रहें; ईश्वर से आपके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना करता हूं।

-सतीश पूनिया

फलोदी पहुँचकर जांबा धाम स्थित श्री जम्भेश्वर भगवान के मंदिर में दर्शन कर संत-महात्माओं का आशीर्वाद प्राप्त किया। फलोदी विधायक पब्बाराम विश्नोई, नोखा के पूर्व विधायक श्री बिहारीलाल विश्नोई का सानिध्य रहा। इसके पूर्व यहाँ एक कार्यक्रम में मिले आत्मीय स्वागत हेतु सबका आभार!

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

हाजिरजवाबी से समाधान

एक बार धन की देवी लक्ष्मी और दरिद्रता की देवी दरिद्र में सुंदरता को लेकर विवाद हो गया। दोनों देवियों ने फैसला किया कि धरती पर चलकर जो पहला आदमी नजर आये उसी से झगड़े का फैसला करवाया जाये। धरती पर उन्हें एक किसान दिखाई दिया। दोनों किसान के पास अपनी समस्या लेकर पहुंचीं और उससे कहा कि जब तक वह समस्या का हल नहीं निकालता, तब तक उसे कहीं नहीं जाने दिया जायेगा। किसान समझ गया कि किसी एक के पक्ष में निर्णय देने पर दूसरी नाराज हो जाएगी। उसने कुछ देर सोचकर दोनों को जवाब दिया, 'देवियों, आप दोनों ही अत्यंत सुंदर हैं। दरिद्र देवी, जब आप किसी के घर से जाती हैं, तब आपसे सुंदर कोई नहीं लगता; और लक्ष्मी जी, जब आप किसी के घर आती हैं, तब आपसे बढ़कर कोई नहीं दिखता।' दोनों देवियां इस चतुर उत्तर से प्रसन्न हो गईं और संतोषपूर्वक लौट गईं।

सामयिक

चिंता का कारण भारत में बढ़ते सड़क हादसे

रोहित माहेश्वरी

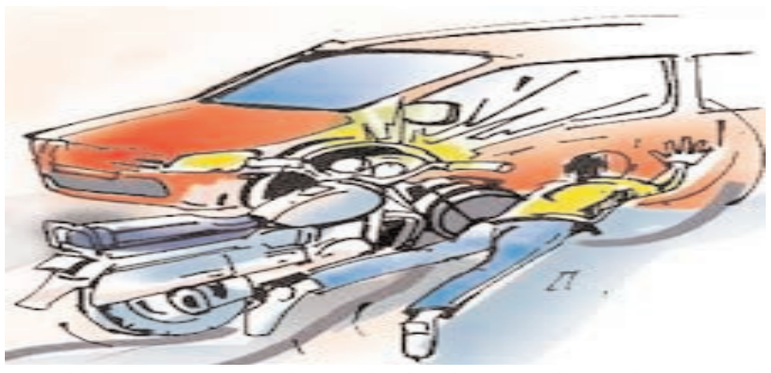

भारत में सड़क सुरक्षा को सुधारने के लिए सरकार कई कोशिशें कर रही है। लेकिन इसके बावजूद भी सड़क हादसे एक बड़ी समस्या बने हुए हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने सड़क हादसा को लेकर एक रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक देश में हर घंटे औसतन 55 सड़क हादसे हो रहे हैं, जिसमें 20 लोगों की मौत हो रही है। भारत में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या विश्व स्तर पर सबसे अधिक है, यहां प्रति 10,000 किमी पर 250 मौतें होती हैं, जो संयुक्त राज्य अमेरिका (57), चीन (119) और ऑस्ट्रेलिया (11) की तुलना में अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023 में करीब 4.80 लाख सड़क हादसे हुए, जिसमें 1.72 लाख लोगों की मौत हो गई। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्रालय ने हादसों में 4.2 प्रतिशत की उछाल पर चिंता जाहिर की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश के पुलिस विभाग से मिले आंकड़ों के मुताबिक साल 2023 में 4,80.583 गंभीर सड़क हादसे हुए। इनमें 1,72,890 लोगों की मौत हो गई।

उस पर सबसे दुखद यह है कि मरने वालों में एक लाख चौदह हजार लोग अट्ठारह से 45 वर्ष के बीच के युवा थे। रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में 18 से 45 साल के 66.4 प्रतिशत युवाओं की सड़क हादसों में मौत हुई। जो परिवार के कमाने वाले व नई उम्मीद थे। 18 से 60 साल वर्ग की बात करें तो 83.4 प्रतिशत लोगों की मौत हुई है। सड़क हादसों में मारे गए 1,72,890 लोगों में से 31.2 प्रतिशत यानी 1,50,177 की मौत राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई। 22 प्रतिशत यानी 1,05,622 की मौत एक्सप्रेस-वे पर, जबकि 46.8 प्रतिशत यानी 2,24,744 लोगों की मौत राज्य हाईवे पर हुई है। मौतों के मामले में यूपी सबसे आगे सड़क हादसों में मारे जाने वाले लोगों में यूपी सबसे आगे है, जबकि सबसे ज्यादा सड़क हादसे तमिलनाडु में दर्ज किए गए। सड़कों के खराब होने से 14.47 प्रतिशत हादसे हुए। वहीं 67 प्रतिशत हादसे सीधी सड़क पर हुए। हादसों में दोपहिया वाहन सवार सबसे ज्यादा मौत के शिकार हुए।

कुल हादसों में इनका प्रतिशत 44.8 रहा। वहीं सड़क पर चलने वाले 20.4 प्रतिशत लोग हादसों का शिकार हुए। तेज रफ्तार हादसों की मुख्य वजह साल 2023 में सड़क हादसों के बढ़ने की मुख्य वजह तेज रफ्तार रही। तेज रफ्तार की वजह से 68.1 प्रतिशत लोगों की मौत हुई, जबकि गलत साइड से चलने की वजह से 5.5 प्रतिशत हादसे पेश आए। मंत्रालय ने लगातार चौथे साल सड़क हादसों में ज्यादातर युवाओं की मौतों के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई है। इन हालात को देखते हुए ही केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने वर्ष 2030 तक इन सड़क दुर्घटनाओं को आधा करने का लक्ष्य रखा है। अगर बात करें सिर्फ सड़क हादसों तो तमिलनाडु में कुल मिलाकर सबसे ज्यादा सड़क हादसे होते हैं। लेकिन अगर बात करें सड़क हादसों में हुई मौत की, तो सबसे ऊपर उत्तर प्रदेश का नाम आता है। 2023 में सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाओं में मौत उत्तर प्रदेश में हुई हैं। यहां 23,652 मौत हुई हैं। इसके बाद दूसरे स्थान पर आता है तमिलनाडु। यहां 18,347 मौत हुई हैं। इसके बाद तीसरे स्थान पर महाराष्ट्र आता है और यहां पर 15,366 मौत हुई हैं। चौथे स्थान पर 13,798 मौत के साथ मध्य प्रदेश आता है और पांचवें स्थान पर 12,321 मौत के साथ कर्नाटक आता है। विशेष बात यह है कि सबसे ज्यादा वृद्धि दो पहिया वाहन चलाने वालों की मौत में देखने को मिली है। इनमें से लगभग 70 फीसदी लोगों ने हेलमेट नहीं पहना था।

यह विडंबना ही है कि दुर्घटनाएं रोकने के लिये सख्त कानून बनाने एवं तकनीक के जरिये चालकों की लापरवाही पर नजर रखने जैसे उपायों के बावजूद आशातीत परिणाम सामने नहीं आए हैं। जानकारों के मुताबिक इन दुर्घटनाओं में अन्य कारणों के अलावा सबसे अधिक भूमिका तकनीकी व गुणवत्ता की खामियों वाली सड़कों की होती है। ऐसे में केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के बेबाक सुझाव से सहमत हुआ जा सकता है कि खराब सड़क निर्माण को गैर-जमानती अपराध बना दिया जाना चाहिए। इसके लिये ठेकेदार और इंजीनियर की जवाबदेही तय होनी चाहिए। हाल ही में भारतीय उद्योग परिसंघ के एक कार्यक्रम में उन्होंने दु:ख जताया कि विदेशों में होने वाले कार्यक्रमों में जब भारत में विश्व की सर्वाधिक सड़क दुर्घटना वाले देश के रूप में चर्चा होती है, तो उन्हें शर्म महसूस होती है। आखिर तमाम प्रयासों के बावजूद सड़क हादसे क्यों नहीं थम रहे हैं। यह बात तय है कि अगले पांच सालों में सड़क दुर्घटनाओं को यदि आधा करना है, तो युद्ध स्तर पर प्रयास करने होंगे। उन कारणों को तलाशना होगा, जिनकी वजह से हर साल सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि होती है।

आखिर क्या वजह है कि राजमार्गों के विस्तार और तेज गति के अनुकूल सड़कें बनने के बावजूद हादसे बढ़े हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि राजमार्गों व विभिन्न तीव्र गति वाली सड़कों में साम्य का अभाव है, वहीं मोड़ों को दुर्घटना मुक्त बनाने हेतु तकनीक में बदलाव की जरूरत है। ऐसे में केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय को उन कारणों की पड़ताल करनी होगी, जो पर्याप्त धन आवंटन के बावजूद सड़कों को दुर्घटना मुक्त बनाने में बाधक हैं। ऐसे में जरूरी है कि सड़कों की निर्माण सामग्री और डिजाइनों की निगरानी के लिये स्वतंत्र व सशक्त तंत्र बनाया जाए, जो बिना किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के काम कर सके। साथ ही मंत्रालय का दायित्व बनता है कि इस बाबत स्पष्ट नीति को सख्ती से लागू किया जाए। यह जानते हुए कि सड़कों के ठेके में मोटे मुनाफे के लिए एक समांतर भ्रष्ट तंत्र देश में विकसित हुआ है, जो निर्माण कार्य की गुणवत्ता से समझौता करने से परहेज नहीं करता। जिसके खिलाफ उठने वाली ईमानदार आवाजें दबा दी जाती हैं। निस्संदेह, गुणवत्ता का मूल्यांकन करने वाली व्यवस्था की जवाबदेही तय करने की सख्त जरूरत है। तब हमें यह सुनने को नहीं मिलेगा कि उद्घाटन के कुछ ही बाद ही सड़क उखड़ गई या बारिश में घुल गई।

भारत सरकार ने 2030 तक सड़क हादसे को 50 फीसदी तक काम करने का एक लक्ष्य रखा है। लेकिन इसे पाने के लिए आम जनता को ही ट्रैफिक कानून का सख्ती से पालन करना होगा। इसी के साथ सरकार जन जागरूक अभियान और हादसों पर नजर रखने और उन्हें रोकने के लिए एक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा मिशन की भी शुरुआत करने वाली है। भारत में सड़क दुर्घटनाओं की वर्तमान स्थिति चिंताजनक है जिसके लिए सरकार एवं आम लोगों को तत्काल कार्रवाई करने की आवश्यकता है। 4-ई यानी शिक्षा, इंजीनियरिंग (सड़कों और वाहनों की), नियम प्रवर्तन तथा आपातकालीन देखभाल को शामिल करते हुए एक बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने से इसके मूल कारणों का समाधान किये जाने के साथ सड़क सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार किया जा सकता है। इन उपायों को प्राथमिकता देकर भारत में सड़क दुर्घटनाओं की उच्च दर को कम करने के साथ सभी के लिये सुरक्षित सड़क यातायात सुनिश्चित किया जा सकता है।

मुद्दा

बिहार चुनाव : लालू के घोटाले ने बेटे तेजस्वी की राह में बिखेरे कांटे

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

दिल्ली की एक अदालत द्वारा लालू यादव परिवार पर नौकरी के बदले जमीन सम्बन्धी एक बहुचर्चित मामले में धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार समेत अन्य धाराओं के तहत आरोप तय करने से बिहार विधान सभा चुनाव से पहले ही महागठबंधन पर संकटों के बादल छा गए है। बिहार विधानसभा के चुनावों पर इसका कितना असर होगा, यह देखने वाली बात है। कभी देश के प्रधानमंत्री पद के लिए अहम भूमिका निभाने वाले बिहार के कद्दावर नेता लालू यादव की अब एक ही इच्छा है कि उसके जीवनकाल में छोटा बेटा तेजस्वी बिहार की गद्दी पर आसीन हो। मगर उनकी लाख चेष्टा के बावजूद कहीं न कहीं उनके कार्यकाल के घोटाले और सियासी पैबंध उनकी राह में कांटे बिखेर ही देता है। चुनावी माहौल में लालू यादव के परिवार की मुश्किलें कम होने के बजाय बढ़ती ही जा रही है। बिहार में एकाएक ही सियासत गरमा गई है। बिहार विधान सभा का चुनाव लालू परिवार के लिए काफी मुश्किलों भरा हो गया है। आनन फानन में भाजपा सहित लालू विरोधी पार्टियों ने लालू पर तंज कसने शुरू कर दिए। बिहार के दो प्रमुख चुनावी मोर्चे महागठबंधन और एनडीए ने सत्ता पर काबिज होने के लिए किलेबंदी शुरू कर दी है। लालू ने अपने बेटे तेजस्वी को बिहार का मुख्यमंत्री बनाने की सार्वजनिक घोषणा कर रखी है। बिहार में येन केन प्रकारेण सत्ता हासिल करने के लिए लालू यादव की छटपटाहट बस देखते ही बनती है। राजद अध्यक्ष लालू यादव अब बूढ़े हो चुके है और चाहते है उनकी विरासत के साथ बिहार की राजगद्दी बेटे तेजस्वी को मिले। नए घटनाक्रम ने आरजेडी की चुनावी संभावनाओं को पलीता लगा दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आईआरसीटी घोटाले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आरजेडी सुप्रीमों लालू यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने तीनों नेताओं के खिलाफ अपने आदेश में कड़े शब्दों का प्रयोग किया और भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम में कथित अनियमितताओं से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में आरोप तय करने का आदेश सुनाया है। अदालत ने धारा 120इ और 420 के तहत आरोप तय कर दिए हैं। न्यायालय ने साजिश, पद के दुरुपयोग और टेंडर प्रक्रिया में छेड़छाड़ की बात कही और यह भी जोड़ा कि सब कुछ लालू यादव की जानकारी में हुआ। सुनवाई के दौरान उइख ने सबूतों की एक पूरी श्रृंखला पेश की। अदालत ने कहा कि लालू यादव ने टेंडर प्रक्रिया में दखल दिया था। टेंडर प्रक्रिया में बड़ा बदलाव कराया था। बिहार में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और उनके बेटे तेजस्वी यादव की चुनावी मुश्किलें बढ़ गई हैं। उइख केस के मुताबिक लालू प्रसाद यादव के रेल मंत्री रहने के दौरान (2004-2009 के बीच) बिहार के लोगो को मुंबई, जबलपुर, कलकत्ता, जयपुर, हाजीपुर में ग्रुप डी पोस्ट के लिए नौकरी दी गई। इसके एवज में नौकरी पाने वाले लोगों ने लालू प्रसाद के परिजनों/परिजनों के स्वामित्व वाली कंपनी के नाम अपनी जमीन ट्रांसफर की।

लालू परिवार ने पूर्व की तरह फिर खुद के पाक साफ़ होने का दावा किया है। मगर उनके विरोधियों का कहना है इसे कहते है चोरी और सीनाजोरी। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने 1974 में भ्रष्टाचार के खिलाफ बिहार में सिंहनाद किया था। लालू ने जेपी के एक सेनानी के रूप में इस आंदोलन में अपनी सक्रीय भागीदारी दी थी और आज भ्रष्टाचार रूपी इसी अज़गर ने लालू और उनके परिवार को निगल लिया है। जेपी के आंदोलन से निकले लालू यादव को बहुचर्चित चारा घोटाले के पांच मामले में हुई सजा ने भ्रष्टाचार के इतिहास में एक नई इबारत लिख दी। राजद सुप्रीमो लालू यादव को चारा घोटाले से जुड़े पांच मामलों कुल साढ़े 32 साल की सजा सुनाई जा चुकी है। वे फिलहाल जमानत पर है। लालू की चार्जशीट पूर्व प्रधानमंत्री देवगौड़ा के समय हुई थी तो पहली सजा मनमोहन सिंह की सरकार के समय हुई। फिर भी फंसा दिए जाने का राग अलापा जा रहा है। गौरतलब बिहार का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार चारा घोटाला था जिसमें पशुओं को खिलाये जाने वाले चारे के नाम पर 950 करोड़ रुपये सरकारी खजाने से फर्जीवाड़ा करके निकाल लिये गये। केंद्र सरकार गरीब आदिवासियों को अपनी योजना के तहत गाय, भैंस, मुर्गी और बकरी पालन के लिए आर्थिक मदद मुहैया करा रही थी। इस दौरान मवेशी के चारे के लिए भी पैसे आते थे। लेकिन गरीबों के गुजर-बसर और पशुपालन में मदद के लिए केंद्र सरकार की तरफ से आए पैसे का गबन कर लिया गया था। 1996 में चारा घोटाले का मामला बाहर निकला। लालू के मुख्यमंत्री रहते ही चारा घोटाला सामने आया। आश्चर्य इस बात का है जन धन पर डाका डालने वालों को अपने किये पर कोई पछतावा नहीं है। अब एक बार फिर केंद्रीय जाँच दलों की राडार पर लालू परिवार का भ्रष्टाचार है जिसमें जेल जाने की तलवार लटकी हुई है।

नजरिया

संकल्प, मनोबल और श्रम, सफलता का संगम

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 90094 15415

कठिन परिस्थितियाँ कभी पूर्व सूचना देकर नहीं आतीं वे अचानक जीवन के द्वार पर दस्तक देती हैं। इसलिए मनुष्य को सदैव सजग, सावधान और आत्मनियंत्रित रहना चाहिए। जीवन के दो पहलू खुशियाँ और अवसाद ऐसे हैं जैसे दिन और रात। यह हमारे विवेक पर निर्भर करता है कि हम इन परिस्थितियों को किस प्रकार आत्मसात कर संतुलित जीवन का निर्माण करते हैं। जीवन स्वयं में एक गणित है - कभी दो और दो चार होते हैं तो कभी दो और दो पाँच भी। यही पाँच जीवन की विषम परिस्थितियों का प्रतीक है, जो हमें संघर्ष और सहनशीलता का पाठ सिखाती हैं।मनुष्य, समस्त सृष्टि में चेतनता की सर्वोच्च अवस्था है। पत्थरों में चेतना शून्य, वृक्षों में अंकुरित, पशु-पक्षियों में गतिमान और मनुष्य में सर्वाधिक विकसित रूप में विद्यमान है। यही चेतना उसे विचार, मनन और समाधान की दिशा में अग्रसर करती है।

मनुष्य का जीवन विविध मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक संघर्षों का संगम है। किंतु इतिहास साक्षी है - जब भी मनुष्य ने अपनी मनोबल, शारीरिक शक्ति और दृढ़ संकल्प का उपयोग किया, तब उसने असंभव प्रतीत होने वाले कार्यों को भी संभव कर दिखाया। जिस मनुष्य में उत्साह, ऊर्जा और आत्मविश्वास का समुच्चय होता है, वही व्यक्ति हर परिस्थिति का सामना सौम्यता और विवेक के साथ करता है। मानव की संकल्पशक्ति इतनी ऊर्जावान होती है कि वह विपरीत परिस्थितियों को भी अपने अनुकूल दिशा में मोड़ लेता है और अपनी शक्ति का सकारात्मक उपयोग समाज और राष्ट्र के हित में कर पाता है। मनुष्य को सदैव कर्मरत और कार्यशील रहना चाहिए, क्योंकि व्यस्त मस्तिष्क सृजन करता है, जबकि खाली मस्तिष्क अवसाद का घर बन जाता है। एकाग्र चित्त, ऊर्जावान मन और दृढ़ संकल्प ही किसी भी कठिन लक्ष्य की प्राप्ति के सशक्त आधार हैं।

मानव इतिहास ऐसे अनगिनत उदाहरणों से भरा है जहाँ अदम्य संकल्प और मनोबल ने असंभव को संभव किया। हमारे स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानी महात्मा गांधी, सरदार पटेल, नेहरू, सुभाषचंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, सरोजिनी नायडू, इन्होंने विपन्न परिस्थितियों में भी अपनी मानसिक दृढ़ता और संगठन शक्ति से असंभव प्रतीत होने वाली स्वतंत्रता का स्वप्न साकार किया। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि संकल्प और आत्मबल ही किसी भी राष्ट्र या व्यक्ति के पुनर्जागरण की मूल प्रेरणा हैं। जीवन में सफलता पाने के लिए सादगी, ईमानदारी, निरंतरता और श्रमशीलता आवश्यक हैं। कोई भी महान व्यक्ति आकाश से अवतरित नहीं होता, वह भी इसी मिट्टी से जन्मा सामान्य मानव होता है, जिसने अपने संघर्ष, संयम और साहस से असाधारण उपलब्धियाँ अर्जित की। मनुष्य का हृदय एक अनंत ऊर्जा स्रोत है। जब मस्तिष्क चिंतन करता है, दिशा तय करता है और कर्म में रूपांतरित होता है, तब लक्ष्य साकार होता है। किंतु यदि मन निराश या भयभीत हो, तो कोई भी लक्ष्य असंभव हो जाता है। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने मन को सदैव प्रसन्न, प्रफुल्ल और सकारात्मक रखें। यही मानसिक स्थिति हमें विषम परिस्थितियों में भी स्थिर रखती है और नए युग की दिशा में प्रेरित करती है।

जीवन में पिछड़ने के अनेक कारणों में से एक प्रमुख कारण है - स्वयं पर अविश्वास। सफलता के लिए सुनियोजित योजना, आत्ममूल्यांकन, कठोर श्रम और मानसिक संतुलन आवश्यक हैं। संपन्नता के बावजूद यदि मनोबल दुर्बल है, तो सफलता दूर हो जाती है। जो व्यक्ति अपने भीतर की ऊर्जा को पहचान लेता है, वही अपने जीवन को श्रेष्ठ, सार्थक और समाजोपयोगी बना पाता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रतिक्रिया

इज़राइल के तेल अवीव में बंधक चौक नामक एक चौक पर गाजा पट्टी में हमास की कैद से रिहा हुए इज़राइली बंधकों का सीधा प्रसारण देखते हुए लोग अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए।

चाबहार बंदरगाह पर प्रतिबंध हटाने के लिए भारत को अमेरिका से बात करनी चाहिए : मुत्तकी

नई दिल्ली/भाषा। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने सोमवार को कहा कि भारत को चाबहार बंदरगाह पर प्रतिबंध हटाने के लिए अमेरिका के साथ बातचीत करनी चाहिए।

मुत्तकी ने कहा कि वह रणनीतिक रूप से स्थित चाबहार बंदरगाह के अधिकतम इस्तेमाल के पक्ष में हैं और उन्होंने अमेरिका के साथ अपनी बैठकों में प्रतिबंध हटाने का मुद्दा भी उठाया है।

तालिबान शासित अफगानिस्तान के विदेश मंत्री इस समय भारत के दौरे पर हैं। उन्होंने व्यापार, चिकित्सा पर्यटन और लोगों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने के लिए भारत द्वारा अधिक वीजा जारी किए जाने की भी वकालत की।मुत्तकी ने कहा, ...आप (भारत) वीजा जारी करें, वीजा प्रक्रिया को आसान बनाएं, उड़ानों का संचालन बेहतर करें, कोई दिक्कत नहीं है, पासपोर्ट हैं, कोई दिक्कत नहीं है, जो नहीं है वो वीजा है, वीजा दीजिए।

भारत ईरान के दक्षिणी तट पर सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित चाबहार बंदरगाह के विकास में एक प्रमुख भागीदार है। यह वर्तमान में बंदरगाह पर शाहिद बेहेश्टी टर्मिनल का संचालन कर रहा है।

सितंबर में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने ईरान में रणनीतिक रूप से स्थित चाबहार बंदरगाह के संबंध में 2018 के प्रतिबंधों की छूट को रद्द करने का फैसला किया था। उन्होंने कहा, चाबहार के बारे में हमारी भी ये कोशिश है कि उसका ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाना चाहिए। अमेरिका की तरफ से जो पाबंदियां हैं... दोनों मुल्क कोशिश करें, हम भी अमेरिका के साथ मुलाकात में यही बात उठाते हैं कि वहां पर जो पाबंदियां हैं उसको दूर करना चाहिए और हिंदुस्तान की तरफ से भी ये होना चाहिए।

गाजा के भविष्य पर मिस्र शिखर सम्मेलन से पहले शांति के अवसर का लाभ उठाए इजराइल : ट्रंप

यरुशलम/एपी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को इजराइली सांसदों से कहा कि उनके देश को युद्ध के मैदान में और कुछ हासिल नहीं करना है तथा हमास के खिलाफ दो साल के युद्ध तथा हिजबुल्ला और ईरान के साथ झड़पों के बाद पश्चिम एशिया में शांति के लिए काम करना होगा।

इजराइल और हमास के बीच अमेरिका की मध्यस्थता से हुआ युद्धविराम समझौता हालांकि अब भी नाजुक स्थिति में है, फिर भी ट्रंप क्षेत्रीय सद्भाव को कायम करने के अवसर का लाभ उठाने के लिए दृढ़संकल्पित हैं। उन्होंने इजराइली संसद नेसेट में घोषणा की, अब से आने वाली पीढ़ियां इसे उस क्षण के रूप में याद करेंगी जब सब कुछ बदलना शुरू हुआ। इजराइली संसद में उनका एक नायक के रूप में स्वागत किया गया। ट्रंप ने कहा, इजराइल ने हमारी मदद से हथियारों के बल पर वह सब कुछ हासिल कर लिया है जो वह कर सकता था। आप जीत गए हैं। मेरा मतलब है, आप जीत गए हैं। अब समय आ गया है कि युद्ध के मैदान में आतंकवादियों के खिलाफ इस जीत को पूरे पश्चिम एशिया के लिए शांति और समृद्धि के अंतिम पुरस्कार में बदला जाए।

ट्रंप ने फलस्तीनियों से आतंक और हिंसा के रास्ते को हमेशा के लिए त्यागने का आग्रह करते हुए संघर्ष के दौरान तबाह हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण में मदद का वादा किया। अत्यधिक पीड़ा, मृत्यु और कठिनाई के बाद, अब समय आ गया है कि इजराइल को तोड़ने की कोशिश करने के बजाय अपने लोगों के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया जाए। ट्रंप ईरान के प्रति भी नरमी भरा संकेत देते दिखे, जहां उन्होंने इस वर्ष के शुरू में इजराइल के साथ हुए संक्षिप्त युद्ध के दौरान तीन परमाणु स्थलों पर बमबारी की थी, तथा कहा है कि मित्रता और सहयोग का हाथ हमेशा खुला है।अमेरिकी राष्ट्रपति दो दर्जन से अधिक देशों के साथ शिखर सम्मेलन के लिए मिस्र जाएंगे, हालांकि वह कई घंटे देरी से पहुंच रहे हैं क्योंकि नेसेट में भाषण अपेक्षा से अधिक लंबा चला।

ट्रंप के रुख से वैश्विक जलवायु कार्रवाई पर क्या असर पड़ सकता है ?

ब्रस्बेन/भाषा। संयुक्त राष्ट्र में पिछले महीने दिए गए एक विवादास्पद भाषण में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन को ''दुनिया के साथ किया गया सबसे बड़ा छलावा'' बताया। यह दावा वैज्ञानिक साक्ष्यों की पूरी तरह अवहेलना करता है, जो स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि जलवायु परिवर्तन एक वास्तविक और गहन संकट है।

यह भाषण एक चुनावी रैली जैसा अधिक लगा, न कि विश्व नेताओं के बीच दिया गया कोई कूटनीतिक संबोधन। अमेरिकी राष्ट्रपति का यह रुख ब्राज़ील में आगामी सीओपी30 जलवायु सम्मेलन से पहले इस वैश्विक चिंता का विषय बन गया है कि अमेरिका जलवायु मुद्दों से एक बार फिर पीछे हट सकता है। ट्रंप का रुख जलवायु परिवर्तन को नकारने वालों और झूठी जानकारी फैलाने वालों को बल देने वाला रहा है। वे अपने पुराने नारे 'ड्रिल, बेबी, ड्रिल' और अब 'माइन, बेबी, माइन' के अनुरूप कोयला और तेल उद्योग को खुला समर्थन दे रहे हैं।

ट्रंप ने ही पेरिस जलवायु समझौते से अमेरिका को हटा लिया। उनकी घोषणा के बाद पिछले माह 1.3 करोड़ एकड़ संघीय भूमि को कोयला खनन के लिए खोला गया। उनके आदेश पर जलवायु डेटा वेबसाइटों से हटाया गया, और शोध के लिए सरकार की सीधी फंडिंग बंद कर दी गई।उनके कदमों से निश्चित रूप से 'इन्फ्लेशन रिडक्शन एक्ट' कमजोर हुआ जो नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश को बढ़ावा देने वाला, बाइडेन प्रशासन का प्रमुख कानून था।

इन नीतियों के चलते सात अरब टन अतिरिक्त कार्बन उत्सर्जन होने की संभावना है, जो कि वैश्विक दो डिग्री तापमान घटाने के लक्ष्य को पाने के लिए बचे कार्बन बजट का लगभग 20 फीसदी है।

अमेरिका जैसे बड़े उत्सर्जक देश का पीछे हटना, यूनाइटेड नेशन्स फ्रेमवर्क कन्वेन्शन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों की वैधता को चुनौती देता है। इससे रूस, खाड़ी देशों जैसे अन्य उच्च उत्सर्जक राष्ट्रों पर दबाव कम हो सकता है।

जलवायु वित्त का सवाल एक बार फिर प्रमुख रूप से आगे आया है। वैसे भी विकासशील देशों के लिए जरूरी सहायता ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के चलते कठिन हो सकती है। बहरहाल, उम्मीद कायम है क्योंकि कुछ आशाजनक संकेत हैं। वैश्विक उत्सर्जन संभवतः अपने चरम पर पहुंच चुका है, और अब पहली बार गिरावट की ओर बढ़ रहा है। 2025 में वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा निवेश 1500 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। कोयला, तेल और गैस में निवेश में गिरावट आ रही है।इसके अलावा चीन ने हाल ही में पहली बार 2035 तक 7-10 फीसदी उत्सर्जन कटौती का लक्ष्य रखा है, और वह अकेले ही दुनिया की कुल सौर एवं पवन क्षमता से अधिक जोड़ रहा है। चीन अमेरिका की अनुपस्थिति को वैश्विक नेतृत्व के अवसर में बदलना चाह सकता है, खासकर प्रशांत क्षेत्र में। सबसे अहम बात यह है कि अमेरिका के पेरिस समझौते से हटने के बावजूद कोई अन्य देश पीछे नहीं हटा। ऑस्ट्रेलिया ने हाल ही में अपने उत्सर्जन लक्ष्यों में वृद्धि की। कैलिफ़ोर्निया जैसे राज्य अमेरिका के भीतर ही मजबूत जलवायु नीति अपना रहे हैं और ब्राज़ील के साथ साझेदारी कर रहे हैं।

आगामी सीओपी30 सम्मेलन में जलवायु नीति पर वैश्विक सहमति बनाना अब और कठिन हो गया है, लेकिन अतीत के अनुभव बताते हैं कि इन सम्मेलनों से अंतरराष्ट्रीय ध्यान केंद्रित होता है और सकारात्मक दबाव बनता है।

विद्या बालन ने बताया 'आकर्षण के नियम' की वजह से उन्हें मिली थी 'परिणीता'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन ने सोमवार को बताया कि उन्हें अपनी पहली फिल्म 'परिणीता' कैसे मिली थी। उन्होंने साथ में यह भी बताया कि फिल्म के निर्देशक प्रदीप सरकार के साथ काम करने का उनका अनुभव कैसा रहा। विद्या ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें वह सीखो ना नैनो की भाषा पिया गाने पर एक्टिंग करती दिखाई दे रही हैं। इस गाने के बारे में बात करते हुए विद्या ने बताया कि जब उन्होंने पहली बार यह गाना सुना, तो उन्हें तुरंत यह पसंद आ गया और वह प्रदीप सरकार जैसे निर्देशक के साथ काम करने के सपने देखने लगी थीं। विद्या ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, मुझे गानों पर लिप सिंक करना बहुत पसंद है और यह गाना मुझे बहुत पसंद है। जब मैंने इसे पहली बार देखा, तो मैं प्रसून जोशी के गीत से उतनी ही प्रभावित हुई जितनी कि इसके फिल्मांकन से। इसी दौरान मेरे मन में इस कुशल कहानीकार प्रदीप सरकार के साथ काम करने की इच्छा भी जागी।

इसमें उन्होंने आगे बताया कि कैसे उन्हें अपनी पहली फिल्म 'परिणीता' मिली। उन्होंने आगे लिखा, मुझे पता भी नहीं था कि ब्रह्मांड ने अपना जादू चलाना शुरू कर दिया है। कुछ साल बाद मुझे दादा के साथ एक विज्ञापन फिल्म मिली और फिर किस्मत से मुझे उनके तीन म्यूजिक वीडियो में भी काम करने का मौका मिला। सबसे खास बात यह थी कि 'किस्सों की चादर' एल्बम में काम करने का मौका मिला। इतना ही नहीं, आखिरकार दादा ने मुझे परिणीता में लॉन्च किया। आकर्षण के नियम को श्रेय देते हुए विद्या ने अंत में कहा, मुझे नहीं पता कि इसे 'आकर्षण का नियम' कहा जा सकता है या नहीं, लेकिन मुझे पता है कि मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं, जैसे मैं जीवन में बहुत सी दूसरी चीजों के लिए हूं। प्रदीप सरकार की फिल्म 'परिणीता' को कुछ समय पहले ही रिलीज हुए 20 साल पूरे हुए। इस मौके पर मूवी को फिर से री-रिलीज किया गया था। यह फिल्म शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के 1914 के प्रतिष्ठित बंगाली उपन्यास पर आधारित है।

मौनी रॉय का अनस्टॉपेबल 2025 जारी: एक्ट्रेस ने की शूटिंग शुरू की

मुंबई/एजेन्सी

2025 के शानदार सफ़र के बाद, मौनी रॉय ने कोई समय ज़ाया नहीं किया है। हाल ही में मिलान फैशन वीक में अपने लुक्स से दुनिया को दीवाना बनाने के बाद, एक्ट्रेस ने अब अपने अगले प्रोजेक्ट एक जबरदस्त वेंचर की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसकी शूटिंग मुंबई और पंजाब में होगी। मौनी ने सोशल मीडिया पर अपने स्क्रिप्ट की एक धुंधली तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, और अगले प्रोजेक्ट की ओर... प्यार और आशीर्वाद, प्लीज़ एक्स, और यह देख कर प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। पिछले साल मौनी ने कई प्लेटफॉर्म्स और फॉर्मैट्स में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से साबित किया कि वे किसी भी रोल में जान डाल सकती हैं। अब वे बिना किसी ब्रेक के एक प्रोजेक्ट से दूसरे प्रोजेक्ट पर तेज़ी से कदम रख रही हैं। उनकी एनर्जी और समर्पण ने उन्हें इंडस्ट्री की सबसे ज़्यादा पसंद की जाने वाली प्रतिभाओं में से एक बना दिया है। 2025 मौनी रॉय के लिए बेहद शानदार साल रहा है। उन्होंने 'द भूतोनी' और 'सलाकार' जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय कर दर्शकों का मन मोह लिया और एक बार फिर एक अभिनेत्री के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया। स्क्रीन के अलावा, उन्होंने मिलान फ़ैशन वीक में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और एक ग्लोबल फ़ैशन आईटी गर्ल के रूप में अपनी पहचान बनाई। उनकी आने वाली फ़िल्मों का लाइनअप भी उतनी ही प्रभावशाली हैं – वह जल्द ही कॉन्टिलो पिक्चर्स की फ़िल्म 'महायोद्धा राम 3डी' में माँ सीता को अपनी आवाज़ देंगी, मधुर भंडारकर के साथ 'द वाइव्स' में फिर से नज़र आएंगी, और वरुण धवन के साथ 'है जवानी तो इश्क होना है' में स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी। हर प्रोजेक्ट में उनकी प्रतिभा का एक अलग पहलू दिखाई देता है, चाहे वो ड्रामा हो, वॉइस एक्टिंग हो या एनर्जेटिक डांस परफॉर्मेंस। लेकिन शायद मौनी के पहले से ही बिजी शेड्यूल का सबसे रोमांचक हिस्सा है उनका पहला टॉलीवुड डेब्यू मेगास्टार चिरंजीवी के साथ फिल्म 'विश्वंभरा' में। यह कदम उन्हें न सिर्फ एक प्रतिभाशाली बल्कि एक भरोसेमंद स्टार के रूप में और मज़बूत करता है।

बॉलीवुड, ओटीटी, रीजनल सिनेमा और यहाँ तक कि एनिमेटेड फ़ीचर्स फिल्म तक फैली प्रोजेक्ट के साथ, मौनी रॉय न केवल व्यस्त हैं, बल्कि वह रणनीतिक रूप से एक शानदार करियर ट्रैजेक्टरी का निर्माण कर रही हैं जो किसी भी इंडस्ट्री और फॉर्मैट तक सीमित नहीं है। अपने नए ओटीटी सफर की शुरुआत के साथ यह साफ़ हो जाता है कि मौनी रॉय अपने करियर के शिखर पर हैं और 2025 तो बस उस असाधारण अध्याय की शुरुआत है, जो उनकी पहले से ही शानदार यात्रा को और ऊँचाइयों तक ले जाएगा।

उद्घाटन

टोक्यो ओलंपिक चैंपियन तुर्की के मेटे गाज़ोज़ अपनी फ्रैंचाइज़ी राजपुताना रॉयल्स को जीत दिलाने के बाद नई दिल्ली में तीरंदाजी प्रीमियर लीग उद्घाटन के दौरान।

'टॉक्सिक: अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' से लीक हुआ यश का लुक

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के अभिनेता यश इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक: अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म का इंतजार फैंस को बेसब्री से है। इस फिल्म से उनका लुक सोशल मीडिया पर लीक हो गया है। इनमें यश बड़ी दाढ़ी में बहुत ही हैंडसम दिख रहे हैं।

सोशल मीडिया पर लीक हुए इस वीडियो में यश बालकनी में दिखाई दे रहे हैं। इसमें यश सिर्फ नीली डेनिम पहने हुए दिखाई दे रहे हैं। उनका स्वैग देख सोशल मीडिया पर लोग फिल्म के लिए उत्सुकता जाहिर करते दिख रहे हैं। लोग कमेंट बॉक्स में कह रहे हैं कि बॉक्स ऑफिस पर सुनामी आने वाली है। कुछ लोग ब्लॉकबस्टर लोडिंग कहते दिखाई दिए। फिल्म की बात करें तो यह एक ऐतिहासिक गैंगस्टर ड्रामा कही जा रही है। टॉक्सिक: अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स को गीतू मोहनदास और यश ने लिखा है। इस फिल्म की निर्देशक गीतू मोहनदास हैं।

गोवा की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म एक ड्रग कार्टेल की अंधेरी दुनिया के इर्द-गिर्द घूमती है, जो शक्ति, प्रेम और धोखे पर बेस्ड होगी। इस फिल्म में यश, नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत, अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर जैसे कलाकार अहम किरदार निभाते दिखाई देंगे।

इस फिल्म का निर्माण केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले किया जा रहा है। 'टॉक्सिक: अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पहले फिल्म को दिसंबर 2025 में रिलीज किया जाना था, लेकिन प्रोडक्शन में हुई देरी के चलते इसे आगे के लिए खिसका दिया गया। इस फिल्म को हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम सहित कई भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं में डब किया जाएगा। इसे अगले साल आने वाली कुछ बड़ी फिल्मों में शामिल किया गया है। इस फिल्म के अलावा यश के पास नितेश तिवारी की बहुचर्चित 'रामायण' भी है। इसमें वह लंकापति रावण की भूमिका निभाते दिखाई देंगे। इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साईं पल्लवी देवी सीता, सनी देओल भगवान हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका में नजर आएंगे।

रजा मुराद ने याद किए अपने यादगार किरदार, फैंस ने की तारीफ

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा के वरिष्ठ अभिनेता रजा मुराद ने अपने शानदार अभिनय से दशकों तक दर्शकों के दिलों पर राज किया है। रविवार को उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपने पुराने किरदारों को याद किया। रजा मुराद ने इंस्टाग्राम पर एक मोंटाज वीडियो शेयर किया, जिसमें उनके मशहूर किरदारों की झलकियां दिखाई गईं। इस वीडियो को कैप्शन देते हुए उन्होंने लिखा, मेरे कुछ यादगार सीन और किरदारों की झलकियां, जिनमें मेरे सह कलाकारों के साथ खास पल भी शामिल हैं। रजा मुराद का यह वीडियो प्रशंसकों के लिए किसी सिनेमाई खजाने से कम नहीं है। सोशल मीडिया पर उनके पोस्ट को देखकर प्रशंसक पुरानी यादों में खो गए और कमेंट सेक्शन पर उनकी तारीफ कर रहे हैं। रजा मुराद अपनी दमदार आवाज और प्रभावशाली अभिनय के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कई बॉलीवुड फिल्मों जैसे 'पद्मावत', 'बाजीराव मस्तानी' और 'जोधा अकबर' में यादगार किरदार निभाए हैं।

रजा मुराद ने अपने करियर में 'बॉबी', 'प्रेम रोग', 'राम तेरी गंगा मैली', 'हिना', 'नमक हराम', 'राम लखन', और 'एक नजर' जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। उनकी दमदार आवाज और अभिनय की बारीकियां हर किरदार को जीवंत बना देती हैं। चाहे नकारात्मक किरदार हों या सहायक भूमिकाएं, रजा मुराद ने हर रोल में अपनी छाप छोड़ी। उनकी फिल्मों ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल की, बल्कि दर्शकों के दिलों में भी खास जगह बनाई।

छोटे पर्दे पर भी रजा मुराद ने अपनी प्रतिभा का जादू बिखेरा है। उन्होंने 'मधुबाला', 'वीर शिवाजी', 'बाइबल की कहानियां', 'रिश्तों की डोर', और 'क्रांति' जैसे लोकप्रिय टीवी धारावाहिकों में काम किया। इन शोज में उनकी भूमिकाओं को दर्शकों ने खूब सराहा। उनकी बहुमुखी प्रतिभा और स्क्रीन पर मौजूदगी ने उन्हें हर पीढ़ी के दर्शकों का पसंदीदा बनाया है। अभिनेता की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वह जल्द ही 'बीहु अटैक' में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन सुजाद इकबाल खान ने किया है। वहीं, इसमें देव मेनारिया, डेजी शाह, और अरबाज खान मुख्य भूमिका में हैं।

मोनालिसा ने 'बिजुरिया' गाने पर किया डांस

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी अभिनेत्री मोनालिसा अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह 'बिजुरिया' गाने पर साड़ी पहनकर डांस करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, थोड़ा डांसिंग मूड में, शॉट्स के बीच में और आखिर में इस गाने पर साड़ी में डांस करना। मोनालिसा का यह अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। 'बिजुरिया' गाना इन दिनों सोशल मीडिया पर जबरदस्त ट्रेंड कर रहा है। कई लोग इस गाने पर रील्स बनाकर इस ट्रेंड का हिस्सा बन रहे हैं। यह गाना हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का है, जो दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है।इस गाने को मशहूर गायक सोनू निगम और असीस कौर ने अपनी मधुर आवाज में गाया है, जबकि इसका संगीत तनिष्क बागची और रवि पवार ने मिलकर तैयार किया है। गाने के बोल भी सोनू निगम और तनिष्क बागची की जोड़ी ने लिखे हैं।दिलचस्प बात यह है कि 'बिजुरिया' का मूल संस्करण साल 1999 में रिलीज हुआ था। यह सोनू निगम के म्यूजिक एल्बम 'मौसम' का सुपरहिट गाना था, जिसे सोनू निगम ने खुद गाया और लिखा था। उस समय इसका संगीत रवि पवार ने तैयार किया था, और यह गाना युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हुआ था। अब इसके नए वर्जन ने फिर से धूम मचा दी है। फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का लेखन और निर्देशन शशांक खेतान ने किया है। यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी है और 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म की कहानी और इसके गाने दर्शकों को खूब भा रहे हैं।

ज्ञानी मानव हर जगह होता है पूजनीय : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि जीवों पर प्रभु के अनंत उपकार हैं। प्रभु महावीर धर्म पिता हैं जिन्होंने मोक्ष में जाने से पूर्व ज्ञान का खजाना प्रदान किया। प्रभु का ध्यान लगाने से मन की कली खिल जाती है। प्रभु के ज्ञान से मानव भव के साथ कई भवों को सुधारा जा सकता है। उनके गुण याद करने मात्र से दुख दर्द मिट जाते हैं। ऐसे प्रभु जिनके नाम में ही बरकत है? उनके ज्ञान से जीवन सुधर जाएगा। ग्यारहवां अध्ययन बहुसूत्र पूजा का है। संसार में पूजा और आदर ज्ञान और गुणी का होता है। जो ज्ञानी है वह देश-विदेश में कहीं भी जाएगा अपने ज्ञान से दुनिया को झुका लेगा। राजा अपने देश में आदर पाता है लेकिन ज्ञानी और विद्वान पुरुष हर जगह पूजा जाता है। ये ज्ञान का धन सबको नहीं मिलता है। उपदेश उसको दिया जाता है

जो उसे ग्रहण करे। मूर्ख को देने से कोई फायदा नहीं है। ज्ञानी मनुष्य हर वक्त कुछ नया सीखने की कोशिश में लगा रहता है लेकिन मूर्ख मनुष्य जो है उसको भी गवां देता है। अगर संसार में पूजनीय बनना है तो ज्ञानी होना जरूरी है। अगर पात्रता है तो लोग उपदेश सुनेंगे। अगर पात्रता नहीं है तो कोई पूछेगा भी नहीं।

संसार में मानव की नहीं उसके ज्ञान की पूजा होती है। अगर ज्ञान है तो कहीं भी जाओगे तो इज्जत मिलेगी। अगर मन शुद्ध नहीं है तो ज्ञान की बात भी समझ नहीं आएगी। अकड़, क्रोध, मान, माया और आलस करने वाला कभी ज्ञान का अर्जन नहीं कर सकता है। जिसमें अकड़ है, क्रोध है वह कभी ज्ञानी नहीं बन सकता है। ऐसे मानव ज्ञान के पात्र नहीं होते हैं। जीवन में तप की बहुत विशेषता होती है। तप करने वाला अपने जीवन को सुंदर बना लेता है, जिसमें तप तपस्या करने का गुण नहीं वह जीवन में कुछ नहीं कर सकता है। पानी में नहाने से पाप नहीं कटता है। जब तक अंतरात्मा शुद्ध नहीं होगी, जीवन सफल नहीं होगा। सभा में अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया। सभा का संचालन करते हुए महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने आगामी कार्यक्रमों के बारे में बताया ।

'शब्द' की गोष्ठी में बही कविताओं की रसधार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण भारत की प्रसिद्ध साहित्य संस्था 'शब्द' की बीते रविवार को मासिक काव्यगोष्ठी में गीतों, गज़लों और कविताओं की रसधार बही। काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता गीतकार आनंद मोहन झा ने की और संचालन किया युवा गीतकार लोकेश मिश्र ने। युवा कवि दीपक सोपोरी की शारदा वंदना से शुरु गोष्ठी में समुपस्थित कवियों तथा श्रोताओं का स्वागत करते हुए 'शब्द' के अध्यक्ष श्रीनारायण समीर ने कविता को मनुष्यता का स्थाई प्रतिपक्ष बताया । उन्होंने कहा की कविता जिस आदर्श समाज की कामना करती है, उसके वास्ते वह निरंतर कल्पनाशील एवं सृजनशील रहती है। चूंकि यथार्थ का समाज कल्पना के आदर्श समाज जैसा नहीं होता, इसलिए कवि वर्तमान का गायक होकर भी वर्तमान का आलोचक होता है। गोष्ठी के अध्यक्ष आनंद मोहन झा ने अपने सुमधुर गीत सुनाने से पहले गोष्ठी में पढ़ी गई कविताओं की विषय विविधता तथा गुणवत्ता की प्रशंसा की।

कविगोष्ठी की शुरुआत करते हुए वरिष्ठ कवि अनिल विभाकर ने प्राण-जल और स्त्री विषयक दो भावपूर्ण कविताएँ सुनाईं। वरिष्ठ कवयित्री सुधा दीक्षित तथा रचना उनियाल की गजलों ने श्रोताओं की खूब वाहवाही लूटी। नलिनी पोपट और विद्या कृष्णा की कविताओं और गज़लों ने भी गोष्ठी में जमकर रसधार बहायी। उषारानी राव की लघु कविताएँ सुंदर थीं।

शिवनंदन सिन्हा, रामरतन सिंह, कृष्ण कुमार पारीक, श्रीकांत शर्मा एवं राजेन्द्र गुलेच्छा की कविताएँ जीवन के यथार्थ की उड़ान थीं। दीपक सोपोरी, सुचित्रा कौल मिश्र और बिन्दु रायसोनी के गीत और गज़लें सुन श्रोता भावविभोर हुए। गोष्ठी में नवोदित सदस्य पीयूष शर्मा की कविताएँ और बाँसुरी वादन तथा लोकेश मिश्र के गीतों का शमां भी जोरदार था। उनका संचालन भी सधा हुआ था। डॉ उषारानी राव के धन्यवाद ज्ञापन के साथ गोष्ठी संपन्न हुई ।

बाक्स क्रिकेट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जेसीआई बेंगलूरु गार्डन सिटी द्वारा रविवार को आयोजित स्पोर्ट्स सप्लायर्स 'क्रिकोमेनिया 2025' में पुरुष, महिला और बच्चों के लिए बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रायोजक स्पोर्ट्स सप्लायर्स, वोतावत्स इंश्योरेंस, वीअप टेक्नोलॉजीज, कैरी कुटूर और वनसोर्स के अनेक प्रतिनिधि, अध्यक्ष कामना जैन, उपाध्यक्ष गजेन्द्र दवे और चेयरमैन संयम मेहता आदि उपस्थित थे।

मां का संकल्प संतान के जीवन का बनता है दिव्य कवच : डॉ. वरुण मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुजराती जैन संघ गांधीनगर में चातुर्मास हेतु विराजित डॉ. वरुण मुनि जी ने सोमवार को अहोई अष्टमी व्रत के अवसर पर मातृत्व की दिव्यता और व्रत की आध्यात्मिक महत्ता पर प्रवचन दिया। मुनिश्री ने कहा कि अहोई अष्टमी का यह व्रत मातृत्व की महिमा का जीवंत प्रतीक है। यह वह दिन है जब मां अपनी संतान की दीर्घायु, आरोग्यता और मंगलमय जीवन के लिए निस्वार्थ भाव से उपवास रखती है। आज जो माताएँ श्रद्धा और प्रेम से यह व्रत कर रही हैं, वे वास्तव में अपने बच्चों के जीवन में पुण्य और सुरक्षा का दिव्य कवच बुन रही हैं। मुनिश्री ने सभी माताओं को आशीर्वाद देते हुए कहा कि आप सबकी संतानों का जीवन सद्गुणों, संस्कारों और सफलता से आलोकित हो। आपके व्रत की सात्त्विक भावना आपके घर-परिवार में सुख, स्वास्थ्य और समृद्धि का प्रकाश फैलाए। मां का आशीर्वाद सबसे बड़ा वरदान है, यह व्रत उसी वरदान को और सशक्त बनाता है। रूपेशमुनिजी ने भक्ति भाव से ओतप्रोत भजन प्रस्तुत किए।पंकजमुनि जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अहमदाबाद में विराजित आचार्य श्री महाश्रमण जी के सान्निध्य में आयोजित अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के 59वें राष्ट्रीय अधिवेशन 'एकत्व' में देशभर की 366 शाखा परिषद के कार्यों का मूल्यांकन कर अभातेयुप द्वारा बेंगलूरु के तेयुप टी. दासरहल्ली को किए कार्यों के लिए सेवा वर्ग में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया। तेयुप के टी.दासरहल्ली के वर्ष 2024-25 के अध्यक्ष कन्हैयालाल गांधी के नेतृत्व में कृत कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इसके अलावा परिषद को अन्य कार्यक्रमों के लिए भी पुरस्कार प्राप्त हुए।

मेहंदी व पूजा थाली सजावट प्रतियोगिता

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। स्थानीय जैन राजस्थानी विद्या प्रचारक मंडल द्वारा संचालित शांतिनाथ हिन्दी हाईस्कूल के इंट्रक्ट क्लब ने मेहंदी व पूजा थाली सजावट प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया। मेहंदी प्रतियोगिता में नेहा मालवीय प्रथम, अनिता प्रजापत द्वितीय, रेणुका जाट को तीसरा तथा थाली सजावट प्रतियोगिता में रेश्मा प्रजापत को प्रथम, डॉली को द्वितीय तथा सोनल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। निर्णायक डॉ आयशा काजी व डॉ वीणा वारी ने सभी प्रतिभागियों की प्रतिभा की सराहना की। इंट्रक्ट क्लब की अध्यक्षा दिव्या रावल ने अतिथियों का स्वागत किया।

मानव भव नहीं, बल्कि मनुष्यत्व दुर्लभ है : साध्वी इन्दुप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में उत्तराध्ययन सूत्र का विवेचन करते हुए साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि भगवान महावीर ने निर्वाण के पूर्व चतुर्विध संघ के लिए उत्तराध्ययन सूत्र के रूप में शिक्षाओं का अनमोल और बहुमूल्य खजाना दे कर गए है। प्रभु की प्रत्येक शिक्षा मानव को मानवता का पाठ पढ़ाती है और समझाती है कि मानव भव दुर्लभ नहीं है बल्कि मनुष्यत्व दुर्लभ है। इंदुप्रभाजी ने कहा कि ज्ञान प्राप्त करने के लिए अभिमान का हटना जरूरी है। मात्र विनय गुण से अभिमान हट सकता है। जो आज्ञाकारी नहीं होता है वो घर घर से दुत्कारा जाता है। विनय भी एक तप है। विनय से सहनशक्ति का विकास होता है। विनय से कर्मों की निर्जरा भी होती है। उन्होंने कहा कि यह संसार अध्रुव और अशाश्वत है। जीवन का कोई भरोसा नहीं है, इसलिए हम प्रत्याख्यान पर श्रद्धा करें और जीवन को मर्यादित करें। प्रत्याख्यान से जीवनचर्या में कोई कठिनाई नहीं आती है। संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने संचालन किया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभाजी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

साधनाओं से ही आंतरिक शक्तियों का होता है जागरण : आचार्य विमलसागरसूरीश्वर

गदग/दक्षिण भारत। राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में चल रहे वर्षावास में सम्यकज्ञान व मां सरस्वती की साधना पर विशेष प्रवचनमाला का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर आचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि किसी भी साधना के लिए निर्धारित दिन, समय, स्थान, दिशा, वस्त्र, आलंबन, सामग्री, मन की भूमिका, तन की शुद्धि, समर्पण भाव और विधि-विधान की जानकारी आवश्यक होती है। सरलता और पवित्रता साधना की सिद्धि के प्राणतत्व हैं। माया, छल-कपट, क्रोध, अभिमान, ईर्ष्या या दुर्भावना पूर्वक की गई साधना निष्फल जाती है अथवा दुःखदायी बनती है। प्राचीन शास्त्रों के आधार पर जैन व वैदिक परंपरा में छोटी-बड़ी अनेक साधनाओं के उल्लेख मिलते हैं। ये साधनाएं हमारी सांस्कृतिक परंपरा की अमूल्य धरोहर हैं। इन्हीं से हमारे धर्म-आध्यात्म और जीवन के विकास का शाश्वत पथ प्रशस्त हुआ है। ङ्कजैनाचार्य ने कहा कि समग्र मानवजाति को आंतरिक शक्तियों के जागरण के गूढ़ रहस्य साधनाओं से ही प्राप्त हुए हैं और ये साधनाएं शुद्ध रूप से भारतीय संस्कृति की देन हैं। पश्चिम भले ही भौतिक और तकनीकी विकास का कितना ही दम भरता हो, आध्यात्मिक साधनाओं के संदर्भ में तो भारत राष्ट्र का कोई सानी नहीं है। यहां के ऋषि-मुनियों, आचार्यों, संतों और साधकों ने साधनाओं के द्वारा अपने भीतर से वो प्राप्त किया जो बाहरी दुनिया में कभी कहीं से भी हासिल नहीं हो सकता। साधनाएं मनुष्य को शक्ति, बुद्धि, वचनसिद्धि, वाणी, विद्वत्ता, समयज्ञता, पराक्रम और परम का पथ दे सकती हैं। आचार्य विमलसागरसूरीजी ने समझाया कि जिस प्रकार विविध प्रयोग कर एडिसन ने कांच के बल्ब में बिजली को उतारा था, उसी प्रकार प्रयोग कर मनुष्य के भीतर सरस्वती का अवतरण किया जा सकता है। उसे ज्ञान, बुद्धि और स्मरण शक्ति के रूप में प्रतीत किया जा सकता है। प्राचीन काल में साधक इस प्रकार के अनेक सफल प्रयोग किया करते थे। संघ के कोषाध्यक्ष निर्मल पारेख ने बताया कि गणि पद्मविमलसागरजी के सान्निध्य में यहां बाल संस्कार शिविरों का समाजोपयोगी आयोजन चल रहा है।

साधक धर्म साधना निष्काम भाव से करें : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मागडी रोड़ स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तक नरेश मुनि जी ने भगवान महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराध्ययन सूत्र पर सारगर्भित विवेचना प्रस्तुत करते हुए कहा कि जैन दर्शन कर्म सिद्धान्त पर आधारित है। जीवन का सच्चा सुख भोग में नहीं त्याग में है।

उन्होंने कहा कि हमारी साधना का एकमात्र उद्देश्य कर्म निर्जरा का और आत्म शुद्धि के माध्यम से परम पद मुक्ति प्राप्ति का ही होना चाहिए। आपकी धर्म साधना में किया गया निदान आपकी अवनति का ही कारण बनता है जो आपकी की गई साधना को सिद्धि के शिखर से नीचे पतन की ओर ले जा सकता है। जैसे संभूति मुनि अपने साधना मार्ग में निदान कर लेने पर अंत में भोगों की आसक्ति मोह के कारण वो आगे ब्रह्मदत चक्रवर्ती सातवीं नरक को प्राप्त करते हैं जैसे कीचड़ में फंसा हाथी सामने सूखा मैदान दिखने पर भी उस कीचड़ से बाहर नहीं निकल पाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे ही हालत संसार में भोगों में आसक्ति रखने वाले मोहासक्त व्यक्ति की भी यही दशा होती है। अतः सच्चा साधक वही है जो निष्काम भाव से प्रभु भक्ति, धर्म आराधना करते हुए संयमित जीवन जीते हुए अपने आत्म कल्याण का ही लक्ष्य आगे रखकर सतत संयम साधना में सजग, जागरूक रहते हुए अपने साधना मार्ग में आगे बढ़ते रहता है। श्री शालिभद्र मुनि जी ने सर्वप्रथम धर्म सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को वीर स्तुति के साथ भगवान महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराधययन सूत्र का वाचन सह सामूहिक स्वाध्याय पारायण करवाया। श्रुत साधना में सहयोगी बने गुरु भक्त परिवारों ने यह लाभ प्राप्त किया।

भिक्षु भक्त प्रश्न मंच प्रतियोगिता में राजनगर रॉयल्स टीम बनी विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, सेंट्रल तथा तेरापंथ महिला मंडल, गांधीनगर के संयुक्त तत्वावधान में आचार्य भिक्षु के जन्म त्रिशताब्दी के अवसर पर 'प्रश्नमंच प्रतियोगिता-कौन बनेगा भिक्षु भक्त' का आयोजन मुनि डॉ. पुलकित कुमार जी व आदित्य कुमार जी के सान्निध्य में गांधीनगर भवन में किया गया। मुनिश्री ने कहा, यह प्रतियोगिता भक्ति और ज्ञान का उत्सव मनाने की अच्छी प्रक्रिया है। चातुर्मासिक ज्ञानोत्सव के अंतर्गत इस विशेष प्रतियोगिता में सहभागी बनने वाले श्रावक श्राविकाएं ज्ञानार्जन से लाभ उठा रहे हैं। ऐसी प्रतियोगिताएं ज्ञान वृद्धि करने वाली तथा इतिहास की जानकारी देने वाली होती हैं।

आदित्य कुमार ने बताया कि रहस्य भिक्षु के पुस्तक पर आधारित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य है आध्यात्मिक भक्ति और बौद्धिक जिज्ञासा का समन्वय करते हुए आचार्य भिक्षु के जीवन और दर्शन को जनाना और जन-जन तक पहुँचाना था।ङ्ककार्यक्रम में टीपीएफ सेन्ट्रल के अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा, महिला मंडल की अध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा ने सभी उपस्थितों का स्वागत किया। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रतियोगिता में कुल नौ टीमों ने भाग लिया। टीपीएफ सेन्ट्रल की संयुक्त कोषाध्यक्ष तृप्ति सुराणा ने संचालन करते हुए विभिन्न टीमों से भिक्षु के जीवन व अवदानों पर आधारित प्रश्न पूछे।

प्रश्न मंच प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार राजनगर रॉयल्स टीम, द्वितीय पुरस्कार नाथद्वारा निंजाज टीम तथा तृतीय पुरस्कार जोधपुर ज्वेल्स टीम को प्राप्त हुआ। आयोजकों द्वारा सभी विजेताओं को सम्मानित किया गया। प्रायोजक कुसुम सुरपत चोरड़िया को धन्यवाद दिया गया। इस मौके पर दोनों संस्थाओं सहित संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन महिला मंडल की उपाध्यक्ष लता गादिया ने किया।

मुमुक्षु का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी द्वारा सोमवार को साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी की निश्रा में मुमुक्षु रेवा कुमारी का सम्मान दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्रकुमार रांका एवं अन्य पदाधिकारियों ने किया। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा, अरविंद कोठारी, ललित डाकिया ने शुभकामनाएं दी। इस मौके पर साध्वीश्री ने मुमुक्षु के उज्ज्वल संयम जीवन की बधाई दी। ज्ञातव्य है कि मुमुक्षु की दीक्षा शत्रुंजय महातीर्थ में 23नवंबर को आचार्यश्री रविशेखर विजयजी की निश्रा में होगी।

श्याम दीवाने का वार्षिकोत्सव 'हम श्याम के दीवाने' 21 दिसम्बर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के 'श्याम दीवाने' संस्था द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विजयनगर होसाहल्ली में सुगनाना कल्याण मण्डप में 21 दिसम्बर को संस्था का 13वां वार्षिकोत्सव मनाया जाएगा। इस मौके पर 'हम श्याम के दीवाने' नामक भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। भजन संध्या में मुंबई के गायक मनोज मिश्रा व जयपुर के गायक अभिषेक नामा मधुर भजनों की प्रस्तुति देंगे। इस वार्षिकोत्सव की तैयारी के लिए रविवार को 'श्याम दीवाने' के सदस्यों की एक बैठक विजयनगर श्याम मेंशन में सम्पन्न हुई जिसमें श्याम दीवाने, युवा शक्ति, महिला शक्ति ने बड़ी संख्या में भाग लिया। संस्था के संस्थापक सदस्यों ने बताया कि इस वार्षिकोत्सव में कोलकाता के कारीगरों द्वारा बाबा श्याम का भव्य श्रृंगार किया जाएगा तथा भजनों की गंगा बहेगी।

थरूर ने गाजा सम्मेलन में राज्य मंत्री को भेजने पर सवाल खड़े किए

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने सोमवार को कहा कि मिस्र के शर्म अल-शेख में गाजा शांति शिखर सम्मेलन में भारत की तरफ से राज्य मंत्री को भेजना अपने आप को रणनीतिक रूप से सीमित करने तथा 'एक चूके हुए अवसर' की तरह है। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह इस शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और लगभग 20 अन्य विश्व नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। हालांकि, भारत सरकार ने सिंह को शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भेजा। थरूर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया ''शर्म अल-शेख गाजा शांति शिखर सम्मेलन में राज्य मंत्री के स्तर पर भारत की उपस्थिति, वहां एकत्रित राष्ट्राध्यक्षों के बिल्कुल विपरीत है। रणनीतिक रूप से सीमित करना या चूका हुआ अवसर है? पूर्व विदेश राज्य मंत्री थरूर ने कहा, यह कीर्तिवर्धन सिंह पर कोई टिप्पणी नहीं है और उनकी योग्यता पर कोई सवाल नहीं है, लेकिन वहां दिग्गजों की मौजूदगी को देखते हुए भारत के इस फैसले को रणनीतिक दूरी बनाए रखने की प्राथमिकता के संकेत के रूप में देखा जा सकता है, जो हमारे बयानों से ज़ाहिर नहीं होता।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**